मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 03
गुरुवार, 10 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मूसलाधार बारिश के बाद नदी में आई अचानक बाढ़, 9 लोगों की मौत, दर्जनों लापता

काठमांडू, 09 जुलाई। नेपाल के रसुवा जिले में मानसून की बारिश के कारण एक नदी में बाढ़ आ जाने से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई तथा 19 अन्य लापता हो गए। साथ ही बाढ़ के कारण देश को चीन से जोड़ने वाला ह्यह्यफ्रेंडशिप ब्रिज'' बह गया। चीन में सोमवार रात को मूसलाधार मानसूनी बरसात के कारण नेपाल में भोटेकोशी नदी में बाढ़ आ गई।

राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) के महानिदेशक दिनेश भट्ट ने मीडिया से कहा, ह्लअब तक नौ लोगों की मौत हो गई है, एक व्यक्ति घायल हुआ है, 19 लोग लापता हैं और 57 लोगों को बचा लिया गया है।ह्व नेपाल सरकार ने बाढ़ में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। लापता लोगों में किलोमीटर उत्तर-पूर्व में रसुवा जिले के कुछ हिस्सों में मंगलवार को आई अचानक बाढ़ ने मितेरी पुल, रसुवागढ़ी जलविद्युत संयंत्र और नेपाल-चीन सीमा के पास स्थित ह्यड्राई पोर्ट' के कुछ हिस्सों को पूरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। मंगलवार तड़के करीब सवा तीन बजे आई बाढ़ में मितेरी पुल बह गया। नदी में आई बाढ़ में 23 मालवाहक कंटेनर, छह मालवाहक ट्रक और 35 इलेक्ट्रिक वाहन भी बह गए। बाढ़ ने जिले की चार जलविद्युत परियोजनाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे राष्ट्रीय विद्युत ग्रिड को कम से कम 211 मेगावाट बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई। चीन के छह नागरिक और तीन पुलिसकर्मी शामिल हैं। भट्ट ने बताया कि काठमांडू से 120

चूरू में दुर्घटनाग्रस्त हुआ वायु सेना का लड़ाकू विमान, दोनों पायलट ने गंवाई जान

चूरू, 09 जुलाई। राजस्थान के चूरू जिले के रतनगढ़ क्षेत्र के भानुदा गाँव के पास मंगलवार को भारतीय वायु सेना का एक जगुआर लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलट का निधन हो गया है। घटना के बाद, राजलदेसर पुलिस स्टेशन की एक टीम तुरंत घटनास्थल पर भेजी गई। दुर्घटना स्थल से घना धुआं उठता देखा गया तथा दृश्यों में विमान पूरी तरह जला हुआ दिखाई दे रहा है।

वायुसेना ने एक बयान में कहा कि भारतीय वायुसेना का एक जगुआर प्रशिक्षक विमान आज राजस्थान के चुरू के पास एक नियमित प्रशिक्षण मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में दोनों पायलटों को गंभीर चोटें आईं। किसी भी नागरिक संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुँचा है। भारतीय वायुसेना इस दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करती है और इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित की गई है।

पुलिस और ज़िला प्रशासन की टीमें घटनास्थल पर पहुँच गई हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि विमान में कितने लोग सवार थे, और अभी तक किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

भारतीय सेना और वायुसेना के अधिकारी घटनास्थल पर पहुँच रहे हैं और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने दुर्घटना के सही कारणों का पता लगाने के लिए जाँच शुरू कर दी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार

नई दिल्ली, 09 जुलाई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने आज नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। सीएमओ ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मैसूर दशहरा उत्सव के दौरान एक एयर शो के आयोजन पर चर्चा की। उन्होंने बेंगलुरु में रक्षा गलियारे और विकास कार्यों के लिए रक्षा विभाग की जमीन के प्रावधान पर भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की पार्टी आलाकमान के साथ प्रस्तावित बैठक ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेता बुधवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। हालाँकि सिद्धारमैया और शिवकुमार ने कहा है कि उनका दिल्ली दौरा उनके आधिकारिक काम से संबंधित था, लेकिन राज्य में नेतृत्व परिवर्तन और पार्टी में असंतोष के संकेत देने वाले मंत्रियों और विधायकों के मद्देनजर शीर्ष नेताओं के साथ उनकी मुलाकात महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

शिवकुमार ने बुधवार को राज्य में कांग्रेस नीत सरकार में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल मंत्रिमंडल संरचना में बदलाव की कोई योजना नहीं है।

शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, मंत्रिमंडल में कोई फेरबदल नहीं होने वाला है। मैं और मुख्यमंत्री राज्य के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों से मिल रहे हैं।ह्व राज्य में कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद उनके मुख्यमंत्री बनने की कयासबाजी पर शिवकुमार ने इसे मीडिया की अटकलें करार दिया और स्पष्ट किया कि ऐसी कोई योजना नहीं है।

नेतन्याहू-ट्रंप मुलाकात के बीच गाजा में बरसी मौत, इजराइली हमले में मारे गए 40 फिलीस्तीनी

इजराइल, 09 जुलाई। गाजा पट्टी में इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम 40 फिलीस्तीनियों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। ये हमले ऐसे समय में हुए, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा पट्टी में हमास के युद्ध-विराम समझौते पर चर्चा के लिए अमेरिका में हैं। उन्होंने मंगलवार शाम व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ लगातार दूसरे दिन मुलाकात की। ट्रंप इजराइल और हमास के बीच युद्ध-विराम समझौते के लिए दबाव बना रहे हैं, जिससे गाजा पट्टी में लगभग 21 महीने से जारी लड़ाई का अंत हो सकता है।

इजराइल और हमास एक नये अमेरिका समर्थित युद्ध-विराम प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, जिससे लड़ाई रुकेगी, इजराइली बंधकों को मुक्त किया जा सकेगा और गाजा में अत्यंत आवश्यक सहायता की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी। दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर के नासिर अस्पताल ने बताया कि मृतकों में 17 महिलाएं और 10 बच्चे शामिल हैं। अस्पताल के मुताबिक, हमले में एक ही परिवार के 10 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं।

इजराइली सेना ने उपरोक्त हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन कहा कि उसने पिछले दिन गाजा में 100 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया, जिनमें आतंकवादी शिविर, बम-जाल वाले ढांचे, हथियार भंडारण सुविधाएं, मिसाइल लॉन्चर और सुरंगें शामिल हैं। इजराइल हमास पर नागरिकों के बीच हथियार और लड़ाके छिपाने का आरोप लगाता है।

नामीबिया ने पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से किया सम्मानित

नामीबिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी पांच देशों की विदेश यात्रा के अंतिम चरण में बुधवार को नामीबिया पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। यह उनकी नामीबिया की पहली आधिकारिक यात्रा है, जबकि भारत से किसी प्रधानमंत्री की यह तीसरी यात्रा है। इस विशेष अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी को नामीबिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस प्रदान किया गया। यह सम्मान नामीबिया सरकार द्वारा विशेष नेतृत्व और सेवा के लिए दिया जाता है। यह यात्रा भारत और नामीबिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नामीबिया की ओर से दिए गए सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द मोस्ट एन्शिएंट वेल्विट्शिया मिराबिलिस से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार नामीबिया की स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1995 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य विशिष्ट सेवा और नेतृत्व को सम्मानित करना है।

आज रांची में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे अमित शाह

नई दिल्ली, 09 जुलाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 10 जुलाई को रांची में महत्वपूर्ण पूर्वी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि बैठक में भाग लेने वाले पूर्वी राज्यों झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। बैठक की तैयारी के लिए, रांची में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं, और शाह बुधवार शाम को रांची पहुँचेंगे। बैठक में विविध और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। खासकर यौन अपराधों की त्वरित जाँच और फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के कार्यान्वयन पर शामिल है।

चर्चा के महत्वपूर्ण विषयों में क्षेत्र में पोषण, शिक्षा, स्वास्थ्य और शहरी नियोजन को आगे बढ़ाना शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारी संघवाद की आवश्यकता पर जोर दिया है, और ये परिषदें संबंधित राज्यों के बीच आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सलाहकार निकायों के रूप में कार्य करती हैं। अमित शाह की अध्यक्षता में यह बैठक गुरुवार सुबह 11 बजे रांची के रेडिसन ब्लू होटल में होगी।

इस बैठक में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी और बिहार व पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे। बिहार सरकार के दो मंत्री विजय चौधरी और सम्राट चौधरी पूर्वी क्षेत्रीय

परिषद की बैठक में शामिल होंगे। नीतीश कुमार के शामिल होने की संभावना कम है। ओडिशा से मुख्यमंत्री मोहनचरण मांझी शामिल होंगे; उनके साथ उपमुख्यमंत्री पार्वती परिदा और मंत्री मुकेश महालिंगम भी मौजूद रहेंगे। पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व मंत्री चंद्रिका भट्टाचार्य करेंगी।

एजेंडे में बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के बीच लंबित अंतर-राज्यीय मुद्दों पर चर्चा और पिछली परिषद बैठकों में लिए गए निर्णयों की प्रगति की समीक्षा शामिल है।

झारखंड सरकार केंद्र से 1.36 लाख करोड़ रुपये के लंबित बकाये की मांग भी कर सकती है। वह उन 17 जिलों में सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) निधि की बहाली की भी मांग करेगी, जिन्हें पहले वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित के रूप में वर्गीकृत किया गया था, लेकिन अब उन्हें सूची से हटा दिया गया है, जिसके कारण एसआरई सहायता बंद हो गई है।

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में तालाब में डूबने से तीन लड़कियों की मौत

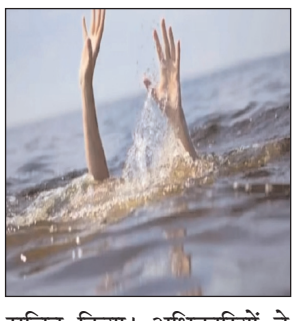

मुरादाबाद। मुरादाबाद जिले के एक गांव में कथित तौर पर तालाब में डूबने से तीन बच्चियों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि घटना मंगलवार शाम करीब पांच बजे भगतपुर थाना क्षेत्र के गांव धिरिया दान में उस वक्त की है जब मवेशियों के खातिर चारा लेने गई चार लड़कियां तालाब में नहाने लगीं। उसने बताया कि गलती से वे सभी गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं।

पुलिस ने बताया उनमें से एक लड़की एक किसी सुरक्षित निकल आई और ग्रामीणों को सूचित किया। अधिकारियों ने बताया कि लगभग दो घंटे के तलाश अभियान के बाद तीन बच्चियों के शव तालाब से बरामद किए गए जिनकी पहचान उज्मा (10), निकहत (आठ) और प्रियांशी (आठ) के रूप में हुई है।

सीएम रेखा गुप्ता के सरकारी आवास का नहीं होगा रेनोवेशन, 60 लाख का टेंडर रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कुछ प्रशासनिक कारणों से मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के आधिकारिक आवास के लिए 60 लाख रुपये के नवीनीकरण के टेंडर को रद्द कर दिया। सीएम गुप्ता को लोक निर्माण विभाग द्वारा राज निवास मार्ग पर दो बंगले आवंटित किए गए थे - एक उनके आवास के लिए और दूसरा कैंप कार्यालय के लिए। उन्होंने पिछले हफ़्ते अपने कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया था। प्रस्तावित पुनर्निर्माण में व्यापक विद्युत फिटिंग शामिल थी - इनमें 14 एयर कंडीशनर, कई टेलीविजन और अन्य विद्युत फिटिंग शामिल थीं, जिनका उद्देश्य सीएम के आधिकारिक आवास को उन्नत करना था।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए सम्पर्क करे: 9199355950

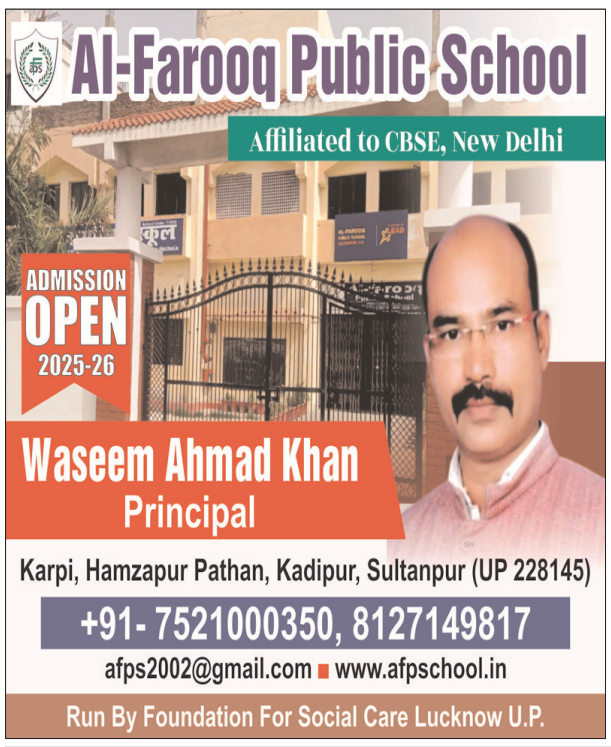

बिहार चुनावों में महिलाओं पर दांव के निहितार्थ

-ललित गर्ग

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने अभी तक मतदान की तारीखों की घोषणा नहीं की है, लेकिन राज्य में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। विभिन्न राजनीतिक दल लुभावनी घोषणाएं कर रहे हैं, नये-नये मुद्दों को उछाला जा रहा है। गोपाल खेमका हत्याकांड हो या तंत्र मंत्र के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों को जला देने की त्रासद घटना- नीतीश कुमार पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान पर संदेह के सवालों के साथ मुखर विपक्षी दल इसके खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के साथ ही कानून विकल्पों पर भी गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इस बीच, एनडीए की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने एनडीए से दूरी बनाते हुए बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने का संकेत देकर सियासी परिदृश्य को दिलचस्प बना दिया है। इन्हीं परिदृश्यों के बीच बिहार सरकार ने सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के फैसला लेकर चुनावी सरगर्मियों को एक नया मोड़ दे दिया है। बिहार सरकार का यह निर्णय केवल एक चुनावी रणनीति भर नहीं, बल्कि एक गहरे सामाजिक परिवर्तन का संकेतक भी है। तय है कि इस बार के बिहार चुनाव के काफी दिलचस्प एवं हंगामेदार होंगे।

सरकारी नौकरियों में स्थानीय महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण के गहरे निहितार्थ हैं। एनडीए की नीतिश सरकार ने स्थानीय महिलाओं को प्राथमिकता देने एवं उनके लिए सरकारी रोजगार उपलब्ध कराने के इस ब्रह्मास्त्र को दाग कर चुनावी समीकरण अपने पक्ष में कर लिये हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे ह्लमहिला सशक्तिकरण का राजनीतिक समाधानह्व बताया, क्योंकि राज्य की महिलाएँ कई चुनावों में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पिछली लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान दर पुरुषों से कहीं अधिक रही, 59.45 प्रतिशत महिलाओं ने हिस्सा लिया जबकि पुरुष केवल 53 प्रतिशत मतदान करने पहुंचे। यह आंकड़ा दिखाता है कि चुनावी जीत में महिला मतदाता कितनी निर्णायक हो सकते हैं, साफ है, सत्ता की चाबी वहां महिलाओं ने अपने हाथों में ले ली है और वे धार्मिक व जातिगत आग्रहों से अधिक लैंगिक हितों से प्रेरित हैं। बिहार उन शुरूआती राज्यों में एक है, जिसने पंचायत और स्थानीय निकायों में आधी आबादी के लिए पचास फीसदी सीटें आरक्षित की हैं। इस कदम ने यहां की स्त्रियों में जबर्दस्त राजनीतिक जागरूकता पैदा की है। चुनावों की दशा एवं दिशा बदलने में महत्वपूर्ण एवं निर्णायक किरदार निभाने के कारण ही हरेक राजनीतिक दल महिला वर्ग को आकर्षित करने में जुट गया है। राजद-कांग्रेस-वाम दलों का महागठबंधन ह्यमाई-बहिन मान योजनाह्न के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये देने का वायदा कर चुका है, तो राजद नेता तेजस्वी यादव बेरोजगारी और डोमिसाइल के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। ऐसे में, नीतीश सरकार के इस नीतिगत दांव को समझा जा सकता है। जातिगत और स्थानीय समीकरण भुनाने के लिए निश्चित ही यह एक संगठित चाल है, जहां जाति और आवासीयता दोनों को आधार बनाया गया।

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत में शैक्षिक क्षेत्र में लैंगिक खाई लगातार सिमट रही है। बिहार की बेटियां देश के अनेक महानगरों में अपनी योग्यता और मेहनत के दम पर पहचान बना चुकी हैं। सूचना क्रांति, बढ़ती अपेक्षाओं और सामंती बंधनों के ढीले पड़ते जाने के कारण अब ग्रामीण बिहार की बेटियां भी ऊंचे सपने संजो रही हैं। हाल ही में बिहार में शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान यह देखा गया कि देश के विभिन्न प्रदेशों की योग्य लड़कियां इंटरव्यू देने आईं, जिनमें से अनेक ने सफलता प्राप्त की और अब बिहार के सरकारी स्कूलों में अध्यापन कर रही हैं। निस्संदेह, यह एक सैद्धांतिक रूप से प्रगतिशील और समावेशी समाज का प्रतीक है, जहाँ महिलाएं सीमाओं से परे जाकर अपनी पहचान बना रही हैं। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर देखें, तो महिला सुरक्षा, सामाजिक असमानता, आवास व पारिवारिक बाधाएं, और प्रवास की मजबूरियाँ अब भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि सरकारें योग्य महिलाओं को उनके घर के आस-पास ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं, तो यह न केवल महिला सशक्तिकरण की दिशा में सार्थक कदम होगा, बल्कि सामाजिक संरचना में स्थिरता और पारिवारिक सहूलियत का भी कारण बनेगा। यही कारण है कि नीतीश कुमार सरकार महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए एक के बाद एक योजनाएं ला रही है। साइकिल योजना, पोशाक योजना, कन्या उत्थान योजना, वृद्धावस्था पेंशन में वृद्धि, पिंक टॉयलेट, महिला पुलिस भर्ती में आरक्षण जैसे कई कदम इस सिलसिले में पहले ही उठाए जा चुके हैं। यह मान्यता कि बेटियां अब सिर्फ अपने घरों की शोभा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भागीदार हैं, नीति निर्माण में स्पष्ट झलकने लगा है। यह न केवल बिहार की महिलाओं को उनके अधिकार का अनुभव कराएगा, बल्कि बेरोजगारी से जूझते प्रदेश में स्थानीय प्रतिभा के पलायन को भी रोकेगा। इस फैसले से खास तौर पर निम्न और मध्यमवर्गीय महिलाओं को फायदा होगा, जिनके लिए दूसरे शहरों में जाकर नौकरी करना एक बड़ा पारिवारिक और सामाजिक संकट बन जाता है। घर के पास नौकरी मिलने से न केवल सुरक्षा की भावना बढ़ेगी, बल्कि समाज में महिलाओं की स्थायी उपस्थिति और भूमिका भी मजबूत होगी।

हालांकि इस फैसले को लेकर विपक्षी दलों की मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने इसे नीतीश कुमार की चुनावी चाल बताया है और आरोप लगाया है कि सरकार महिलाओं की वास्तविक समस्याओं को दूर नहीं कर पा रही, बल्कि सिर्फ भावनात्मक मुद्दों को उछालकर वोट बटोरने की कोशिश कर रही है। तेजस्वी यादव का कहना है कि महिला आरक्षण सही है, लेकिन रोजगार के अवसर कब हैं? सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया वर्षों से लटकी रहती है, परीक्षा की तारीखें टलती हैं, नियुक्ति पत्र देर से आते हैं, ऐसे में आरक्षण का लाभ कब और किसे मिलेगा? उनकी बातों में सच्चाई भी है, क्योंकि प्रक्रियाओं की पारदर्शिता और समयबद्धता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी आरक्षण की नीति। यह महिला आरक्षण अब केवल बिहार के स्थायी निवासियों अर्थात डोमिसाइल महिलाओं के लिए ही होगा। यानी जो महिलाएं राज्य की स्थायी निवासी नहीं हैं, उन्हें इस आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा-उन्हें सामान्य श्रेणी में आवेदन करना होगा। इसलिये इसे केवल घरेलू हितों को साधने वाला प्रत्यक्ष प्रचार माना जा रहा है, जिसमें गैर-स्थायी निवासियों को अवसरों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष इस कदम को डोमिसाइल नीति के अनुरूप बताते हुए सवाल उठा रहा है कि क्या इससे सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना नहीं बिगड़ जाएगी?

बिहार में बेरोजगारी चुनावी चर्चा का मुख्य मुद्दा है। युवा खासकर उच्चशिक्षित वर्ग नौकरी की तलाश में है। 35 प्रतिशत आरक्षण के साथ-साथ सरकार ने वेकेंसी क्रिएशन, युवा आयोग गठन, कृषि व सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च जैसे उपाय किए है। 2025 के बिहार चुनाव बहुआयामी लड़ाई से परिपूर्ण है, जातिगत समीकरण, युवा और ग्रामीण विकास, मतदाता सूची संशोधन जैसे मुद्दों ने चुनावी माहौल को गहराई दी है। सरकार ने पिछले बजट में महिला हाट, पिंक बस, पिंक टॉयलेट, स्कूल जाने वाली लड़कियों के लिए साइकिल योजनाएं, दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए संबल वित्तीय सहायता जैसी महिलाओं को लुभाने वाली योजनाओं के प्रावधान किये हैं। नीतीश सरकार ने चुनावों को देखते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत मिलने वाली राशि में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की है। अब वृद्ध, दिव्यांग और विधवा महिलाओं को प्रतिमाह 400 रुपए की बजाय 1100 रुपए पेंशन मिलेगी। इस घोषणा के बाद पूरे बिहार में पेंशन के 1 करोड़ 9 लाख 69 हजार लाभार्थियों में हर्ष का माहौल दिखाई दे रहा है। यह कहना उचित होगा कि बिहार की राजनीति इस बार स्थानीयता, जातिगत समीकरण और सामाजिक कल्याण के मिश्रित आरोपणों के बीच गंभीर मुठभेड़ के दौर से गुजर रही है। चुनाव नतीजे यह तय करेंगे कि क्या यह रणनीतियाँ सचमुच सतत परिवर्तन की ठोस बुनियाद रखेंगी, या चुनावी भाषण के बाद हवा में खो जाएँगी। नवीनतम ओपिनियन पोल बताते हैं कि एनडीए फिर सत्ता में लौट सकता है, खासकर महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के बीच मजबूत समर्थन के चलते। वहीं, महागठबंधन (आरजेडी, कांग्रेस, अन्य) जातीय समीकरण (ईबीसी-ओबीसी) का आधार लेकर मुकाबले में है।

संघ में गुरु, गुरुपूर्णिमा व गुरुदक्षिणा का महत्त्व

अशोक भाटिया

आज 10 जुलाई गुरुपूर्णिमा पर विशेष

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ। केशवराव बलिराम हेडगेवार ने 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के समय भगवा ध्वज को गुरु के रूप में प्रतिष्ठित किया। इसके पीछे मूल भाव यह था कि व्यक्ति पतित हो सकता है पर विचार और पावन प्रतीक नहीं। विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन गुरु रूप में इसी भगवा ध्वज को नमन करता है। पर्वों, त्योहारों और संस्कारों की भारतभूमि पर गुरु का परम महत्व माना गया है। गुरु शिष्य की ऊर्जा को पहचानकर उसके संपूर्ण सामर्थ्य को विकसित करने में सहायक होता है। गुरु नश्वर सत्ता का नहीं, चैतन्य विचारों का प्रतिरूप होता है। रा। स्व। संघ के आरम्भ से ही भगवा ध्वज गुरु के रूप में प्रतिष्ठित है।

भारतभूमि के कण-कण में चैतन्य स्पंदन विद्यमान है। पर्वों, त्योहारों और संस्कारों की जीवंत परम्पराएं इसको प्राणवान बनाती हैं। तत्वदर्शी ऋषियों की इस जागृत धरा का ऐसा ही एक पावन पर्व है गुरु पूर्णिमा। हमारे यहां ह्यअखंड मंडलाकारं व्याप्तं येन चराचरंङ्कतस्मै श्री गुरुवे नमःह्व कह कर गुरु की अभ्यर्थना एक चिरंतन सत्ता के रूप में की गई है। भारत की सनातन संस्कृति में गुरु को परम भाव माना गया है जो कभी नष्ट नहीं हो सकता, इसीलिए गुरु को व्यक्ति नहीं अपितु विचार की संज्ञा दी गई है। इसी दिव्य भाव ने हमारे राष्ट्र को जगद्गुरु की पदवी से विभूषित किया। गुरु को नमन का ही पावन पर्व है गुरु पूर्णिमा (आषाढ़ पूर्णिमा)।

गुरुह्व स्वयं में पूर्ण है और जो खुद पूरा है वही तो दूसरों को पूर्णता का बोध करवा सकता है। हमारे अंतस में संस्कारों का परिशोधन, गुणों का संवर्द्धन एवं दुर्भावनाओं का विनाश करके गुरु हमारे जीवन को सन्मार्ग पर ले जाता है। गुरु कौन व कैसा हो, इस विषय में श्रुति बहुत सुंदर व्याख्या करती है-ह्यविशारदं ब्रह्मनिष्ठं श्रोत्रियंङ्कह्व अर्थात जो ज्ञानी हो, शब्द ब्रह्म का ज्ञाता हो, आचरण से श्रेष्ठ ब्राह्मण जैसा और ब्रह्म में निवास करने वाला हो तथा अपनी शरण में आये शिष्य को स्वयं के समान सामर्थ्यवान बनाने की क्षमता रखता हो। वही गुरु है। जगद्गुरु आद्य शंकराचार्य की ह्यशतश्लोकीह्व के पहले श्लोक में सदगुरु की परिभाषा है-तीनों लोकों में सद्गुरु की उपमा किसी से नहीं दी जा सकती। बौद्ध ग्रंथों के अनुसार भगवान बुद्ध ने सारनाथ में आषाढ़ पूर्णिमा के दिन अपने प्रथम पांच शिष्यों को उपदेश दिया था। इसीलिए बौद्ध धर्म के अनुयायी भी पूरी श्रद्धा से गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाते हैं। सिख इतिहास में गुरुओं का विशेष स्थान रहा है। जरूरी नहीं कि किसी देहधारी को ही गुरु माना जाये। मन में सच्ची लगन एवं श्रद्धा हो तो गुरु को किसी भी रूप में पाया जा सकता है। एकलव्य ने मिट्टी की प्रतिमा में गुरु को ढूंढा और महान धनुर्धर बना। दत्तात्रेय महाराज ने 24 गुरु बनाये थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का गुरू दक्षिणा कार्यक्रम इस साल 10 जुलाई से शुरू हो रहा है , इसमें लाखों स्वयंसेवक और आरएसएस के समर्थक हिस्सा लेंगे। संघ शायद अकेला समाजसेवी संगठन होगा जो आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर है और किसी दूसरे से चंदा नहीं लेता। संघ से जुड़े लोग भी साल में केवल एक बार अपनी तरफ से दक्षिणा देते हैं, जिसे गुरु दक्षिणा कहा जाता है। हिंदू कैलेंडर के हिसाब से व्यास पूर्णिमा से रक्षाबंधन तक यानी एक महीने तक गुरू दक्षिणा का कार्यक्रम चलता है। इस दौरान स्वयंसेवक संघ में गुरू माने जाने वाले भगवा ध्वज के सामने यह समर्पण राशि रखते हैं। इसे गुप्त रखा जाता है यानी दक्षिणा की राशि और देने वाले का नाम सार्वजनिक नहीं किया जाता, लेकिन हर एक पैसे का पूरा हिसाब रखा जाता है। संघ की स्थापना तो साल 1925 में हुई लेकिन साल 1928 में गुरू पूजा का कार्यक्रम शुरू हुआ और तब से अनवरत चल रहा है। पहली बार हुई गुरू दक्षिणा में तो कुल 84 रुपये और पचास पैसे जमा हुए थे, लेकिन अब यह रकम कई सौ करोड़ से ऊपर हो गई है।

विदेशों में विश्व हिन्दू परिषद का काम देख रहे स्वामी विज्ञानानंद कहते हैं कि संघ सबसे कम खर्च से चलने वाला समाजसेवी संगठन है, शाखा चलाने के लिए क्या चाहिए सिर्फ.एक डंडा और एक झंडा। डॉ। हेडगेवार ने शाखा के प्रचारकों और पदाधिकारियों के सादगी से चलने पर जोर दिया था।आमतौर पर वे प्रवास के दौरान संघ कार्यालयों या संघ से जुड़े लोगों के घरों पर ही रुकते हैं। किसी भी संगठन के खत्म होने, कमजोर होने या भ्रष्ट होने का सबसे बड़ा कारण आर्थिक तौर पर दूसरों या सरकारों पर निर्भर होना होता है, लेकिन डॉ। हेडगेवार ने संघ को आत्म निर्भर बनाया और इसके लिए गुरू दक्षिणा की परपंरा शुरू की।

डॉ। हेडगेवार पर बायोग्राफी लिखने वाले एन एच पल्हीकर के मुताबिक संघ में शुरूआत में सब लोग डॉ। हेडगेवार को गुरू के तौर पर स्वीकार करना चाहते थे, लेकिन डॉ। हेडगेवार ने इससे इनकार करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता, उसमें दोष होते हैं, चाहे वो गुरू द्रोणाचार्य ही क्यों ना हो और तब हिन्दू धर्म में प्रतिष्ठित भगवा ध्वज को गुरू के तौर पर स्वीकार किया गया। संघ की शाखाएं, सभी कार्यक्रम भगवा ध्वज को प्रणाम से ही शुरू होते हैं और गुरू दक्षिणा भी भगवा ध्वज को ही समर्पित की जाती है।

संघ के सरकार्यवाह रहे एच ।वी। शेषाद्रि ने अपनी पुस्तक में भगवा ध्वज और हिन्दू धर्म के इतिहास की पूरी व्याख्या की है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि अब संघ में यह समर्पण राशि करोड़ों रुपये आती है और इसका इस्तेमाल संघ की गतिविधियों, प्रचारकों और पदाधिकारियों के खर्चे के अलावा संघ के विभिन्न कार्यक्रमों में इस्तेमाल होता है।

संघ से जुड़े विविध क्षेत्र के संगठन अपने खर्च के लिए राशि खुद जुटाते हैं, लेकिन संघ की शाखाओं में ब्लॉक से राष्ट्रीय स्तर तक इस राशि का बंटवारा किया जाता है और यह काम संघ का व्यवस्था विभाग देखता है।संघ को मिलने वाले पैसे और खर्च का हर साल ऑडिट होता है और पूरी राशि बैंकों में जमा होती है, लेकिन यह भी तथ्य है कि संघ रजिस्टर्ड संस्था नहीं है, इसलिए उसके नाम से कोई बैंक खाता नहीं बनाया जाता। कई बार संघ के आलोचक संघ के पैसे और कामकाज को लेकर पारदर्शिता रखने पर जोर देते हैं।

संघ के विचारक दिलीप देवधर बताते हैं कि गुरू दक्षिणा का समर्पण इस नजरिए से गोपनीय होता है कि उसकी जानकारी किसी दूसरे को नहीं होती, लेकिन संघ में यह समर्पण राशि एक बंद लिफाफे में देने वाले के नाम के साथ जमा होती है और उसका पूरा हिसाब व्यवस्था विभाग से जुड़ी कमेटी रखती है, इसलिए उसमें गड़बड़ी की कोई आशंका नहीं है। देवधर के मुताबिक संघ समर्पण में ह्लसबसे पहले मन, फिर तन और फिर धन को प्राथमिकताह्व देता है और यही उसके लगातार आगे बढ़ने का रहस्य भी है।

अब संघ की समर्पण राशि का हिसाब समझिए। इस वक्त संघ से जुड़े करीब एक करोड़ स्वयंसेवक हैं और हर साल पचास हजार से ज्यादा स्वयंसेवक नए जुड़ते हैं। आमतौर पर सभी स्वयंसेवक गुरू दक्षिणा देते हैं। नए स्वयंसेवकों में ज्यादा जोश होता है। बताया गया कि इस बार चित्रकूट में हुई संघ की बैठक में गुरू दक्षिणा प्रतिदिन एक रुपये यानी 365 रुपये रखने का भी निर्णय हुआ है। इससे ज्यादा राशि कोई भी अपनी सामर्थ्य के हिसाब से दे सकता है। इसके अलावा केन्द्र सरकार में मंत्री, राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्रियों के अलावा करीब 375 सांसद, डेढ़ हजार से ज्यादा विधायक बीजेपी के हैं। संघ के एक विचारक ने बताया कि अब बीजेपी ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, बोर्ड और निगमों में अध्यक्षों की नियुक्ति भी संघ की राय से करना तय कर लिया है तो वे लोग भी संघ के स्वयंसेवक ना होते हुए भी गुरू दक्षिणा कार्यक्रम में शामिल होते हैं। इसके साथ ही सहयोगी दलों के राजनेता भी समर्पण राशि भगवा ध्वज को भेंट करते हैं। देश के बहुत से उद्योगपति और बिजनेस घरानों के लोग भी गुरू दक्षिणा कार्यक्रम में शामिल होते हैं। संवैधानिक पदों पर बैठे लोग भी भले ही शाखा में सार्वजनिक तौर पर शामिल ना हों, लेकिन गुरू दक्षिणा कार्यक्रम में जरूर हिस्सा लेते हैं।

संघ की चित्रकूट में हुई बैठक के बाद अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर ने बताया कि इस समय देश भर में संघ की 39 हजार 454 शाखाएं हैं जिनमें से 27 हजार 166 अब खुले मैदान में शुरू हो गई हैं, 12 हजार 288 ई-शाखाएं चल रही हैं। 10,130 साप्ताहिक मिलन की बैठकें होती हैं और करीब दस हजार कुटुंब मिलन होते हैं। यानी देश-दुनिया में गुरू दक्षिणा कार्यक्रम में शामिल होने वालों की तादाद करोड़ों में होती है, इससे इस खाते में आने वाली राशि का अंदाजा भर लगाया जा सकता है, अब वो दिन नहीं रहे जब संघ पर साल 1948 में पहली बार लगे प्रतिबंध के बाद संघ चलाना मुश्किल हो गया था। अब संघ स्थान से लेकर मुख्यमंत्रियों के आवास तक भगवा ध्वज की गूंज सुनाई देती है।

हिन्दुत्व या पीडीए कौन पड़ रहा है भारी

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश की सियासत में दो विचारधाराएँ आमने-सामने हैं। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का हिंदुत्व का नारा, जो धार्मिक एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव के बल पर वोटरों को लुभाने की कोशिश करता है। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति, जो सामाजिक न्याय और समावेशी राजनीति की बुनियाद पर टिकी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने बीजेपी को कड़ी टक्कर दी, जिसने 80 सीटों वाले उत्तर प्रदेश में बीजेपी को 33 और सपा को 37 सीटों तक सीमित कर दिया। यह नतीजा अखिलेश की पीडीए रणनीति की ताकत को दर्शाता है, लेकिन 2027 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी के हिंदुत्व के सामने यह कितना टिक पाएगी, यह एक बड़ा सवाल है।

अखिलेश यादव ने 2023 में पीडीए का नारा दिया था, जिसका मतलब है पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक। यह रणनीति सपा के पारंपरिक मुस्लिम-यादव (एम-वाई) वोट बैंक को विस्तार देने की कोशिश थी। सपा ने हमेशा यादव और मुस्लिम समुदायों पर निर्भरता दिखाई, लेकिन अखिलेश ने गैर-यादव ओबीसी, दलित और अन्य अल्पसंख्यकों को जोड़ने की रणनीति अपनाई। 2024 के चुनाव में सपा ने 62 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, जिनमें केवल पाँच यादव थे, और बाकी टिकट गैर-यादव ओबीसी (27), दलित (15), और ऊपरी जातियों (11) को दिए गए। इस रणनीति ने सपा को बुंदेलखंड, अवध और पूर्वांचल जैसे क्षेत्रों में जीत दिलाई, जहाँ उसने बीजेपी को कड़ी चुनौती दी। सपा ने कुर्मी, शाक्य, मौर्य, पाल और निषाद जैसी जातियों को टिकट देकर सामाजिक गणित को अपने पक्ष में किया।

अखिलेश की पीडीए रणनीति का आधार सामाजिक न्याय और आर्थिक मुद्दों पर केंद्रित है। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई, और सरकारी भर्तियों में पेपर लीक जैसे मुद्दों को उठाकर युवाओं और ग्रामीण वोटरों को लुभाया। इसके अलावा, उन्होंने संविधान और आरक्षण की रक्षा का मुद्दा जोर-शोर से उठाया, खासकर दलित और ओबीसी समुदायों के बीच। सपा ने बीजेपी पर संविधान बदलने और आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया, जिसने दलित और पिछड़े वोटरों में डर पैदा किया। अखिलेश ने जुड़ेंगे तो जीतेंगे का नारा दिया, जो बीजेपी के बटेंगे तो कटेंगे के जवाब में था। यह नारा एकता और सामाजिक न्याय की भावना को दर्शाता है, जिसने 2024 में सपा को इंडिया गठबंधन के साथ 43 सीटें जिताने में मदद की।

वहीं, बीजेपी हिंदुत्व की सियासत कर रही है। राम मंदिर का निर्माण, जिसे बीजेपी ने अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया, वह 2024 के चुनाव में वैसा जादू नहीं दिखा सका, जैसा पार्टी ने उम्मीद की थी। अयोध्या में ही बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, जब सपा के अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद सीट जीती। बीजेपी ने हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण की कोशिश की, जिसमें मुस्लिमों को आरक्षण देने के कथित विपक्षी प्लान का मुद्दा उठाया गया। लेकिन यह रणनीति उलटी पड़ गई, क्योंकि गैर-यादव ओबीसी और दलित मतदाताओं ने सपा-कांग्रेस गठबंधन को समर्थन दिया।

बीजेपी ने 2014 और 2019 में हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के बल पर उत्तर प्रदेश में भारी जीत हासिल की थी, लेकिन 2024 में उसका वोट शेयर 33.6ः तक सिमट गया।

हालांकि, बीजेपी की हिंदुत्व की राजनीति को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीजेपी ने कानून-व्यवस्था और हिंदू गौरव जैसे मुद्दों को जोर-शोर से उठाया। योगी ने श्बटेंगे तो कटेंगेश जैसे नारों के जरिए हिंदू एकता की बात की, जो ऊपरी जातियों और कुछ ओबीसी समुदायों में प्रभावी रही। बीजेपी ने अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) को लुभाने के लिए भी प्रयास किए, जैसे निषाद, कुर्मी और मौर्य समुदायों को टिकट देना। 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव में इस रणनीति ने बीजेपी को भारी सफलता दिलाई थी। लेकिन 2024 में सपा की पीडीए रणनीति ने इन समुदायों में सेंध लगाई, खासकर कुर्मी और दलित वोटरों में।

अखिलेश ने हाल के दिनों में हिंदुत्व के मैदान में भी कदम रखा है। इटावा में केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण इसका उदाहरण है। यह मंदिर न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि बीजेपी के श्सपा मुस्लिम तुष्टिकरण करती हैश के आरोप का जवाब भी है। सपा नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी सच्चे हिंदुत्व को बढ़ावा देती है, जो गंगा-जमुनी तहजीब और समावेशिता पर आधारित है। लेकिन बीजेपी इसे श्राजनीतिक अवसरवादश करार देती है और दावा करती है कि सपा का पीडीए वास्तव में केवल यादवों तक सीमित है।

2027 के विधानसभा चुनाव में अखिलेश की पीडीए रणनीति की असली परीक्षा होगी। सपा ने 2024 में गैर-यादव ओबीसी और दलितों को अपने साथ जोड़ा, लेकिन इस गठजोड़ को बनाए रखना आसान नहीं होगा। बीजेपी ने अपनी हार से सबक लिया है और अब वह हिंदुत्व के साथ-साथ सामाजिक गठजोड़ को मजबूत करने की कोशिश कर रही है। योगी आदित्यनाथ ने उप चुनाव में सक्रियता बढ़ाई है, और बीजेपी ने दलित और ओबीसी नेताओं को आगे लाने की रणनीति बनाई है। मील्कीपुर जैसे उप चुाव में बीजेपी ने पासी उम्मीदवार उतारकर सपा की पीडीए रणनीति को चुनौती दी। सपा के सामने चुनौती है कि वह अपने पीडीए गठजोड़ को संगठित रखे। दलित वोटर, जो पहले बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के साथ थे, अब सपा की ओर झुके हैं, क्योंकि बसपा का प्रभाव कम हुआ है। लेकिन बीजेपी और बसपा दोनों ही इस वोट बैंक को वापस लाने की कोशिश करेंगे। इसके अलावा, सपा को इंडिया गठबंधन के सहयोगियों, खासकर कांग्रेस, के साथ तालमेल बनाए रखना होगा। 2024 में सपा-कांग्रेस गठबंधन ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन गठबंधन में सीट बंटवारे और नेतृत्व को लेकर तनाव की आशंका बनी रहती है।

दूसरी तरफ, बीजेपी के पास संगठनात्मक ताकत और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का समर्थन है। वह हिंदुत्व के मुद्दों को और तेज कर सकती है, खासकर अगर 2027 से पहले कोई बड़ा धार्मिक या सांस्कृतिक मुद्दा उभरता है। योगी आदित्यनाथ की छवि एक कट्टर हिंदू नेता के रूप में बीजेपी को ऊपरी जातियों और कुछ ओबीसी समुदायों में मजबूती देती है। लेकिन बीजेपी को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उसका हिंदुत्व का नारा गैर-यादव ओबीसी और दलित वोटरों को अलग न करे। अखिलेश की पीडीए रणनीति ने 2024 में बीजेपी को कड़ी चुनौती दी, लेकिन इसका भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि सपा इस गठजोड़ को कितनी मजबूती से बनाए रखती है। दूसरी ओर, बीजेपी का हिंदुत्व अभी भी एक शक्तिशाली हथियार है, जो धार्मिक भावनाओं को भुनाने में माहिर है। 2027 का चुनाव इस बात का फैसला करेगा कि सामाजिक न्याय का नारा धार्मिक ध्रुवीकरण के सामने कितना टिक पाता है।

बिहार की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण

-संजय सक्सेना

बिहार में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी बढ़ते ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर अपने शासन की विशेष पहचान को रेखांकित किया है। इस बार उन्होंने बिहार की मूल निवासी महिलाओं के लिए सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण की घोषणा करके एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। यह फैसला न केवल बिहार की महिलाओं के लिए एक बड़ा तोहफा है, बल्कि राज्य की राजनीति में भी एक नया रंग भरता है। नीतीश कुमार की सरकार ने हमेशा से सामाजिक समावेशन और महिला सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकता बनाया है, और यह निर्णय उसी दिशा में एक और कदम है। इस घोषणा ने न केवल बिहार की महिलाओं में उत्साह का संचार किया है, बल्कि विपक्षी दलों को भी नए सिरे से रणनीति बनाने पर मजबूर कर दिया है।

बिहार, जहां सामाजिक और आर्थिक विषमताएं लंबे समय से एक चुनौती रही हैं, वहां नीतीश सरकार का यह कदम स्थानीय महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। पहले यह आरक्षण नीति सभी महिलाओं के लिए लागू थी, चाहे वे किसी भी राज्य की हों। लेकिन अब, इस नए फैसले के तहत, केवल बिहार की मूल निवासी महिलाओं को ही सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। इसका मतलब है कि बिहार के बाहर की महिलाओं को अब सामान्य श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करनी होगी। यह नीति स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को बढ़ाने और बिहार की महिलाओं को प्राथमिकता देने की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इस बैठक में कुल 43 प्रस्तावों पर विचार-विमर्श हुआ, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा में रहा यह डोमिसाइल आधारित आरक्षण का फैसला। कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने प्रेस को बताया कि इस नीति का उद्देश्य बिहार की महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाना है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब बिहार की सरकारी नौकरियों में अन्य राज्यों की महिलाएं सामान्य श्रेणी में ही आवेदन कर सकेंगी। यह बदलाव न केवल बिहार की महिलाओं को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों को भी बढ़ाएगा।

इस फैसले का समय भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, और नीतीश कुमार की यह घोषणा एक रणनीतिक कदम के रूप में देखी जा रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम न केवल महिलाओं के बीच नीतीश सरकार की लोकप्रियता को बढ़ाएगा, बल्कि मतदाताओं, खासकर महिला मतदाताओं, को आकर्षित करने में भी मदद करेगा। बिहार में महिलाओं की वोटिंग दर पिछले कुछ चुनावों में पुरुषों से अधिक रही है। 2019 के लोकसभा चुनाव में जहां पुरुषों की वोटिंग दर 55.2 प्रतिशत थी, वहीं महिलाओं की वोटिंग दर 57.3 प्रतिशत थी। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि महिलाएं बिहार की राजनीति में एक निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में नीतीश सरकार का यह फैसला उनकी इस ताकत को और मजबूत करने की दिशा में एक कदम है।

बिहार में महिला सशक्तिकरण की दिशा में नीतीश कुमार की सरकार पहले भी कई बड़े कदम उठा चुकी है। साल 2006 में बिहार देश का पहला राज्य बना, जिसने पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण लागू किया। इसके बाद 2007 में शहरी स्थानीय निकायों में भी 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई। प्राथमिक शिक्षक भर्ती में भी 2006 से ही महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। 2016 में नीतीश सरकार ने सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण की नीति लागू की थी, जिसे अब और सशक्त करते हुए डोमिसाइल नीति के साथ जोड़ा गया है। यह नीति बिहार की महिलाओं को न केवल आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी स्थिति को मजबूत करेगी। इस फैसले का एक और पहलू यह है कि यह बिहार की महिलाओं को स्थानीय स्तर पर अधिक अवसर प्रदान करेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि डोमिसाइल नीति लागू होने से बिहार की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता मिलेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। बिहार में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में महिलाओं की शैक्षिक और आर्थिक स्थिति में अभी भी काफी सुधार की जरूरत है। इस नीति से शिक्षित और प्रशिक्षित महिलाओं को सरकारी सेवाओं में अधिक अवसर मिलेंगे, जिससे वे अपने परिवार और समाज में एक मजबूत भूमिका निभा सकेंगी।

हालांकि, इस फैसले को लेकर कुछ सवाल भी उठ रहे हैं। विपक्षी दलों ने इस कदम को चुनावी स्टंट करार दिया है। उनका कहना है कि नीतीश सरकार ने यह फैसला केवल वोट बैंक को मजबूत करने के लिए लिया है। लेकिन सरकार का तर्क है कि यह कदम बिहार की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। इस नीति से न केवल बिहार की महिलाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे, बल्कि यह भी सुनिश्चित होगा कि स्थानीय प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जाए।

इसके अलावा, नीतीश सरकार ने इस कैबिनेट बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण फैसले भी लिए। इनमें दिव्यांगों के लिए आर्थिक सहायता, किसानों के लिए डीजल अनुदान योजना, और बिहार युवा आयोग के गठन जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। लेकिन इन सभी में सबसे ज्यादा चर्चा में रहा है यह महिला आरक्षण का फैसला। यह नीति न केवल बिहार की महिलाओं के लिए एक नई शुरूआत है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि नीतीश कुमार की सरकार सामाजिक बदलाव और समावेशी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह नीति बिहार की महिलाओं के लिए कितने अवसर लेकर आती है और इसका राजनीतिक प्रभाव क्या रहता है। लेकिन एक बात तो तय है कि इस फैसले ने बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ा है। नीतीश कुमार ने एक बार फिर साबित किया है कि वे सामाजिक बदलाव और महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को लेकर गंभीर हैं। यह कदम न केवल बिहार की महिलाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि सही नीतियों और इच्छाशक्ति के साथ सामाजिक परिवर्तन संभव है।

पंडित लल्लन तिवारी मीरा भायंदर शहर के गौरव: मदन सिंह

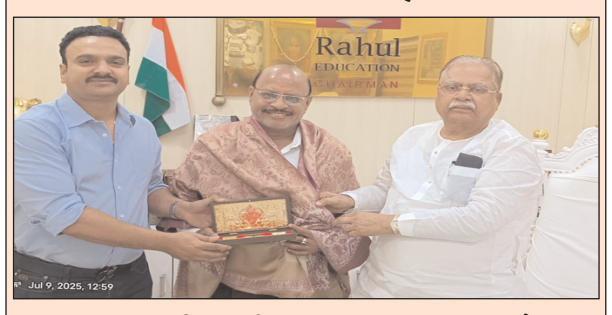

भायंदर(उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका के वरिष्ठ नगरसेवक मदन सिंह ने आज देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी का अपने जन्मदिन के निमित्त आशीर्वाद लिया। लल्लन तिवारी ने उनके जनहित कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि जन समर्पित कार्यों के चलते मदन सिंह लगातार चार बार नगरसेवक चुने गए। मदन सिंह ने कहा कि आज शिक्षा के क्षेत्र में राहुल एजुकेशन का पूरे देश में नाम है। हम सबको इस बात का गर्व है कि इतने बड़े शिक्षण संस्थान के मालिक का हम सबको आशीर्वाद मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पंडित लल्लन तिवारी मीरा भायंदर शहर के गौरव हैं, जिनका आशीर्वाद हर व्यक्ति चाहता है। इस अवसर पर राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी उपस्थित रहे।

जर्जर इमारत की छत का प्लास्टर गिरने से दो महिलाओं समेत तीन घायल

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शांतिनगर क्षेत्र के पिरानी पाड़ा इलाके में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया जब एक धोखादायक इमारत के छत का प्लास्टर अचानक गिर गया । इस घटना में दो महिलाएं और एक लड़का गंभीर रूप से घायल हो गए । घायलों को तत्काल इलाज के लिए सरकारी उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है । घायलों के नाम समद हारुन अंसारी (10 वर्ष), मरियम मिर्जुद्दीन गोसे (27 वर्ष) और शरीना परवीन(29 वर्ष) हैं । प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रभाग समिति क्रमांक 2, पिरानी पाड़ा स्थित एक मंजिला बिहारी चाल मकान नं. 390/1 की हालत जर्जर है और इस इमारत के एक घर की छत का प्लास्टर सुबह के समय अचानक गिर गया । यह प्लास्टर घर के लोगों पर गिरने से घर की दो महिलाएं और एक लड़का घायल हो गए । इस इमारत में आठ परिवार रहते हैं । घटना की सूचना मिलते ही वार्ड के सहायक आयुक्त माणिक जाधव आपातकालीन कक्ष के कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुँचे । शांतिनगर पुलिस भी पहुँची और घायलों को इलाज के लिए इंदिरा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया । समद और मरियम के सिर में गंभीर चोटें आई थीं, इसलिए समद और मरियम को आगे के इलाज के लिए ठाणे जिला अस्पताल भेज दिया गया है । सहायक आयुक्त माणिक जाधव ने बताया कि पूरी इमारत की बिजली और पानी की आपूर्ति काट दी गई है और परिवारों ने इमारत खाली करना शुरू कर दिया है ।

नालंदा ग्रुप ऑफ स्कूल्स एंड कॉलेजेज के अध्यक्ष ने मोईज शेख को किया सम्मानित

पालघर(उत्तरशक्ति)। नालंदा ग्रुप ऑफ स्कूल्स एंड कॉलेजेज के अध्यक्ष तथा सूरत के वरिष्ठ कांग्रेस नेता एडवोकेट मनुभाई चावड़ा ने नालंदा कैंपस, सूरत में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पालघर जिले के दहानू शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी मोईज शेख का भव्य सम्मान किया। इस अवसर पर एडवोकेट मनुभाई चावड़ा ने मोईज शेख के सामाजिक योगदान की सराहना करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को उनके जैसे व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। मोईज शेख ने भी नालंदा कैंपस की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नालंदा ग्रुप का कार्य सराहनीय है और यह संस्था विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए लगातार उत्कृष्ट प्रयास कर रही है। इस मौके पर समाजसेवी मोईज शेख को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कैंटेबिल ने वसई ईस्ट में अपने नए स्टोर का उद्घाटन किया

मुंबई। भारत के अग्रणी परिधान निमार्ता और खुदरा विक्रेताओं में से एक कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने वसई ईस्ट में अपने नए खुदरा स्टोर के उद्घाटन की घोषणा की है। 1338 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह ब्रांड स्टोर गार्डवेल स्वास्तिक होराइजन, गोखिवारे रोड, फादरवाड़ी पेट्रोल पंप के सामने, रेंज ऑफिस के पास, वसई ईस्ट में स्थित है, जो ब्रांड की विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक्सेसरीज के साथ पुरुषों के लिए फॉर्मल-वियर, कैजुअल और पार्टी-वियर कपड़ों के व्यापक चयन की पेशकश करने के लिए समर्पित कैंटाबिल ने खुदरा अनुभव को फिर से परिभाषित किया है। कैंटाबिल ने फैशन उद्योग में एक नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक श्री दीपक बंसल ने कहा, हम वसई ईस्ट में अपने नए मेन्सवियर और एक्सेसरीज एक्सक्लूसिव स्टोर को पेश करते हुए रोमांचित हैं। कैंटाबिल ने मिड-प्रीमियम सेगमेंट में अपार प्रशंसा प्राप्त की है, जो ग्राहकों के बीच खासा लोकप्रिय है। हमारा नया स्टोर पुरुषों के लिए फैशन-फॉरवर्ड परिधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करेगा। पूरे भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ हम आने वाले वर्षों में अपने खुदरा क्षेत्र का और विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पालघर को बाल श्रम मुक्त जिला बनाने हेतु चलाया जायेगा जनजागरूकता अभियान : डॉ. इंदुराणी जाखड़

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड़ ने संबंधित विभागों को सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में बाल श्रम प्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। साथ ही, निजी संस्थानों पर छापेमारी कर बाल श्रमिकों को मुक्त कराया जाए। जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित जिला स्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक में उन्होंने यह बात कही। इस बैठक में निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे, श्रम उप आयुक्त विजय चौधरी समेत विभिन्न समितियों के

सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में बाल श्रम उन्मूलन के साथ ही वेठबिगार (बंधुआ मजदूरी) निगरानी समिति, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, लघु व्यापारी राष्ट्रीय पेंशन योजना, ई-श्रम पोर्टल पंजीयन, ई-श्रम पोर्टल दावों की निगरानी समिति, असंगठित श्रमिक कल्याण समिति आदि की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में मिले वेठबिगार श्रमिकों को तुरंत आर्थिक सहायता दी जाए और उनका पुनर्वास सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, अधिक से अधिक असंगठित श्रमिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बाल श्रम को रोकने के लिए सरकारी विभागों, स्कूलों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आम नागरिकों को मिलकर अभियान चलाना होगा। बाल श्रम के खिलाफ जनजागरूकता के जरिए सामाजिक बदलाव जरूरी है। जब तक समाज का हर वर्ग इस दिशा में आगे नहीं आता, तब तक इस कुप्रथा का उन्मूलन संभव नहीं है। डॉ. जाखड़ ने कहा कि अगर प्रशासन, शिक्षक, अभिभावक और स्वयंसेवी संगठन मिलकर काम करें, तो पालघर को जल्द ही बाल श्रम मुक्त जिला बनाया जा सकता है।

मनपा अस्पताल में मरीजों को फल का वितरण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ए.एन. फाउंडेशन के संस्थापक अशोक नाडर की माताजी आधीश्यामनी नाडर की द्वितीय पुण्यतिथि पर महाराष्ट्र में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। मातोश्री अधीश्यामनी नाडर की पुण्यतिथि पर दादा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष सोनू पवार की ओर से घाटकोपर स्थित संत मुक्ताबाई अस्पताल और राजावाड़ी अस्पताल में साढ़े तीन सौ मरीजों को फल वितरित किए गए। ए.एन. फाउंडेशन और दादा प्रतिष्ठान दोनों की सामाजिक कार्यों में बड़ी भूमिका है। दादा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष सोनू पवार और ए.एन. फाउंडेशन के संस्थापक अशोक नाडर ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था के माध्यम से समाज के प्रति अपनी माँ के सामाजिक कार्यों को जारी रखने के उद्देश्य से, हम राज्य के विभिन्न आदिवासी समुदायों और जरूरतमंद छात्रों को सहायता प्रदान करते हैं।

बीएमसी शिक्षक कामता प्रसाद यादव का सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग द्वारा संचालित गुंदवली मनपा हिंदी स्कूल में कार्यरत वरिष्ठ शिक्षक कामताप्रसाद यादव का पिछले दिनों सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व उप शिक्षण अधिकारी अशोक मिश्रा ने की। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे उपस्थित रहे। सम्मानित अतिथियों के रूप में शिक्षक सभा के महासचिव शरद सिंह, शिक्षक नेता नरेंद्र सिंह तथा भारती उपस्थित रहे। वक्ताओं के रूप में ओमप्रकाश यादव, समरनाथ यादव, ममता वाजपेई, विकास पिंपले , एड.आरपी यादव, हेमलता वर्मा, स्मिता गडाता, डॉ हेमंत यादव, श्रीनाथ यादव आदि ने अपनी बातें रखी। इस अवसर पर पत्रकार राजेश उपाध्याय, रमेश पाठक, आरपी सिंह, अमरनाथ सिंह ,अमृतलाल शर्मा, अनिल यादव मंजू यादव समेत करीब 200 शिक्षक उपस्थित रहे।

मई से अब तक केडीएमसी छेत्र में 35 डेंगू मरीज मिले

- फैल रहे बीमारी की जानकारी लेने मनसे पूर्व विधायक भोईर आयुक्त से मिले

कल्याण(उत्तरशक्ति)। मानसून का मौसम शुरू होते ही शहर में महामारी फैल रही है। मई से अब तक कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका छेत्र में 35 डेंगू मरीज पाए गए हैं। वहीं, जून महीने में 41 और जुलाई में 18 मलेरिया के मरीज मिले, ऐसा स्वास्थ्य विभाग की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपा शुक्ला ने बताया।

आरोग्य अधिकारी ने कहा कि महामारी के संदर्भ में, अगर हमें कोई संदिग्ध डेंगू मरीज मिलता है, तो उसका नमूना लेकर ठाणे भेजा जाता है। एलिसा परीक्षण के बाद पता चलता है कि संदिग्ध मरीज डेंगू से संक्रमित है या नहीं। उसके बाद, मरीज का इलाज किया जाता है।

स्वास्थ्य विभाग महामारी काल के लिए पहले से ही तैयारी कर रहा है। स्वास्थ्य विभाग प्रतिदिन निजी क्लीनिकों, अस्पतालों और प्रयोगशालाओं से अपना डेटा लेते हैं। इसके अनुसार, कुल कितने मरीज हैं? हम उनकी संख्या देखते हैं। हमने हाउसिंग सोसाइटी के अध्यक्षों का एक समूह भी बनाया है। शहरी स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर उनके संपर्क में हैं। अगर हमें कोई मरीज मिलता है, तो हम तुरंत वहां जाते हैं और जांच करते हैं। हम एक सर्वेक्षण करते हैं। हम स्प्रे भी करते हैं। शहर में जन जागरूकता के लिए पर्चे बांटे गए हैं। सर्वेक्षण किए जाते हैं। डेंगू बुखार जमा हुवे पानी में पैदा होता है।

इस संदर्भ में मनसे के पूर्व विधायक प्रकाश भोईर ने मनपा आयुक्त अभिनव गोयल से मुलाकात की। और कहा कि पालिका छेत्र में डेंगू, मलेरिया और बुखार के मरीज बढ़े हैं। हमें उनकी संख्या बताएं। आयुक्त को डेंगू के मरीजों की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि वह जानकारी प्राप्त करेंगे और हमें बताएंगे। भोईर ने इस पर नाराजगी जताई। कल्याण पश्चिम के बेतुरकरपाड़ा इलाके की एक इमारत में 26 डेंगू के मरीज हैं। इलाके में कुल 70 मरीज हैं। इसके साथ ही मलेरिया और बुखार के मरीज भी हैं। भोईर ने कहा कि बड़ी संख्या में महामारी के मरीजों की संभावना जताई जा रही है । बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च आदि को देखते हुए यह खर्च आम आदमी के लिए वहन करने योग्य नहीं है। मनसे जिला अध्यक्ष उल्हास भोईर ने कहा कि वर्तमान में बारिश का मौसम है। शहर में नियमित रूप से कचरा नहीं उठाया जा रहा है। इससे महामारी और फैल सकती है। कचरा संग्रहण का काम एक निजी ठेकेदार को दिया गया है, लेकिन वह काम ठीक से नहीं कर रहा है, ऐसा आरोप जिला अध्यक्ष भोईर ने लगाया।

प्रशासन द्वारा ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई न करने के विरोध में मनसे द्वारा ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के भिवंडी शहर प्रमुख मनोज गुलवी ने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मनपा मुख्यालय में एक बयान सौंपकर ठेकेदार की लापरवाही को नजरअंदाज कर रहे मनपा अधिकारियों के खिलाफ अपना रोष व्यक्त करते हुये ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है । भादवड़ के टेमघर पाड़ा स्थित स्वर्गीय वामन झिपरू गुलवी के गणेश घाट पर घटिया काम के लिए ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की कई बार मांग करने के बाद भी मनपा प्रशासन ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने में आनाकानी कर रहा है वहीं

मनपा प्रशासन ठेकेदार पर केवल 2 हजार रुपये प्रतिदिन का जुमार्ना लगा

रहा है । लेकिन ठोस कार्रवाई न होने के कारण यह काम पिछले तीन वर्षों से अटका हुआ है । मनसे शहर प्रमुख मनोज गुलवी ने टेमघर पाड़ा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज खेल मैदान से सटी सुरक्षा दीवार के ढहने के मामले में बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है । दोनों ही मामलों में मनोज गुलवी ने आरोप लगाया है कि मनपा प्रशासन ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय उनका साथ देकर सरकारी धन की बबार्दी कर रहा है। बुधवार को मनोज गुलवी एक प्रतिनिधि मंडल के साथ में मनपा आयुक्त से मिलने मनपा मुख्यालय आए थे । लेकिन मनपा आयुक्त के अनुपस्थित होने पर प्रतिनिधिमंडल ने कड़ा रोष व्यक्त किया।

सफाई कर्मचारियों के प्रलंबित मुद्दों पर निर्णय लेंगे : संजय शिरसाट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सफाई कर्मचारियों के मुद्दे पिछले कई वर्षों से लंबित हैं। राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट ने एक ठोस आश्वासन दिया कि उन्हें जल्द ही हल किया जाएगा। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस यूनियन की ओर से आजाद मैदान में एक आक्रोश मोर्चा निकाला गया था। हालांकि, पुलिस ने हस्तक्षेप किया और प्रतिनिधिमंडल को शिरसाट से मिलने की व्यवस्था की। उस समय, यूनियन के अध्यक्ष गोविंदभाई परमार ने विस्तृत चर्चा की। गोविंदभाई परमार के साथ यूनियन के महाराष्ट्र अध्यक्ष घनश्याम डकाह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रतापजी निंदाने और मुंबई अध्यक्ष एडवोकेट रवि गवली के नेतृत्व में आजाद मैदान में आक्रोश मोर्चा का आयोजन किया गया था। हालांकि पुलिस के हस्तक्षेप से, इसे रद्द कर दिया गया और अंत में संजय शिरसाट के साथ चर्चा की गई। इस बीच, केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने भी इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और संजय शिरसाट को एक पत्र लिखा और उनसे सफाई कर्मचारियों के मुद्दे

पर ध्यान देने की अपील की । तदनुसार, शिरसाट ने इन सफाई कामगारों के नेताओं को मोर्चा निकालने के बजाय चर्चा के लिए बुलाया है। बताया गया कि सर्वोच्च न्यायालय के 1995 के आदेश के नियमों के आधार पर ठेकेदारी प्रथा न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ठेका पद्धति भगाओ,सफाई कामगार वारस हक बचाओ' नामक अभियान शुरू किया गया है। यह भी मांग की गई कि सभी विभागों में सफाई कर्मचारियों की भर्ती करके लाड-पागे समिति की रिपोर्ट (12 अगस्त 1975) की सिफारिशों को जल्द से जल्द लागू किया जाए। यह मांग दोहराई गई कि सफाई कर्मचारियों को राज्य सरकार के परिपत्र 1985, 86, 87, 88 के अनुसार मालिकाना हक वाले घर दिए जाएं और जाति प्रमाण पत्र 1960 के अनुसार लागू किया जाए। दलित मित्र गोविंदभाई परमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में सामाजिक न्याय मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा और सफाई कर्मचारियों के मुद्दे पर तुरंत निर्णय लेने की मांग की। इस अवसर पर परमार, के साथ राजेशभाई टाकेकर, एडवोकेट रवि गवली, नवीनचंद्र मकवाना, रघुनाथ जाधव, जीतूभाई रोज, सुनील और कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

एडवोकेट हर्षल पाटिल के जन्मदिन पर जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मनपा स्कूल नंबर ५२ में विद्यार्थियों को नोटबुक वितरण

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एडवोकेट हर्षल पाटिल के जन्मदिन के अवसर पर अलग-अलग स्थानों पर अनेकों प्रकार के सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कोंबणपाडा में नेत्र जांच व चश्मा वितरण किया गया । इसी तरह जन कल्पना समिति द्वारा मनपा के स्कूल नं. 52 में पढ़ने वाले छात्रों को नोटबुक वितरण किया गया । एडवोकेट हर्षल पाटिल ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि शिक्षा ही सच्चा धन है, जो बच्चों का भविष्य उज्जवल बनाता है । उन्होंने कहा कि आज जो नोटबुक का वितरण किया जा रहा है, वह सिर्फ एक साधारण वस्तु नहीं है यह बच्चों के

सपनों का उनके भविष्य का और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ भविष्य में ऐसा ही बड़े होकर दूसरों को मदत करने के लिए प्रोत्साहित करने की सीख लेकर जायेंगे वहीं जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी/अध्यक्ष मंगेश यादव ने कहा कि जब समाज के सक्षम लोग आगे बढ़कर जरूरतमंदों की मदद करते हैं तब असल में जन कल्याण की भावना साकार होती है । कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ट्रस्ट के ट्रस्टी विनोद येनागंदला , सदस्य अर्जुन सब्बानी , सुभाष पासवान , धीरेंद्र पाल , मुकेश चौबे , सोनू पासवान , समीर शैख , अजय यादव , पत्रकार संतोष सोनी आदि लोग उपस्थित थे ।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया ने बेंटली को इंडिया पोर्टफोलियो में किया शामिल

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने आज ब्रिटेन के प्रतिष्ठित ब्रांड बेंटली को अपने समूह के तहत छठे ब्रांड के रूप में शामिल करने की घोषणा की। 1 जुलाई 2025 से, एसएवीडब्ल्यूआईपीएल भारत में बेंटली वाहनों का विशेष रूप से आयात, वितरण और सर्विस करेगा, जिससे भारत के तेजी से बढ़ते लग्जरी कार बाजार के प्रति समूह की प्रतिबद्धता और गहरी होगी। सभी मार्केटिंग, बिक्री और आफ्टर-सेल्स संचालन एसएवीडब्ल्यू आईपीएल की नई इकाई बेंटली इंडिया के तहत किए जाएंगे, जो ब्रांड की भारत रणनीति और रिटेल नेटवर्क की निगरानी करेगी। एबी थॉमस को बेंटली इंडिया का ब्रांड डायरेक्टर नियुक्त किया गया है, जो भारतीय बाजार में ब्रांड का नेतृत्व करेंगे। बेंटली इंडिया की शुरूआत तीन प्रमुख शहरों से होगी, जिनमें बेंगलुरु और मुंबई में पहले डीलरशिप दी जाएगी, इसके बाद नई दिल्ली में भी शोरूम खोला जाएगा। ये नए शोरूम भारत के अल्ट्रा-हाई-

नेट-वर्थ ग्राहकों को बेंटली की उत्कृष्ट परफॉर्मेंस, शानदार कारीगरी और बेहतरीन लक्जरी का अनुभव प्रदान करेंगे।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ पीयूष अरोड़ा ने कहा, बेंटली को एसएवीडब्ल्यूआईपीएल परिवार में शामिल करना हमारे लिए गर्व का क्षण है, जिससे हमारा पोर्टफोलियो अब पूरी तरह से पूर्ण हो गया है झ जर्मन इंजीनियरिंग की सटीकता से लेकर ब्रिटिश कारीगरी की टाइमलेस भव्यता और बेजोड़ प्रदर्शन तक। भारत में लक्जरी की मांग तेजी से बढ़ रही है। साथ ही, एबी थॉमस का भारतीय बाजार का गहरा अनुभव बेंटली इंडिया को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगा। सेल्स, मार्केटिंग और डिजिटल के कार्यकारी निदेशक, जान ब्यूरेस ने कहा, ₹भारत में बेंटली का एसएवीडब्ल्यूआईपीएल परिवार में स्वागत करना हमारे लिए गर्व का क्षण है। भारत में तेजी से बढ़ता यूएचएनआई (अल्ट्रा हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल) वर्ग इस नई साझेदारी से लाभान्वित होगा, और हम अपने नए डीलर साझेदारों के साथ ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ लक्जरी और परफॉर्मेंस प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पिछले दो दशकों से बेंटली भारत के लग्जरी कार बाजार का हिस्सा रहा है और टॉप कैटेगरी के ग्राहकों की अपेक्षाओं से कहीं बढ़कर प्रदर्शन करता रहा है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर चोर व चोरी का सामान खरीदने वाला गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सुजानगंज, एसओजी टीम जौनपुर, थाना तेजीबाजार व थाना खुटहन की संयुक्त पुलिस टीम के साथ हुई पुलिस मुठभेड़ में 02 शातिर चोर व चोरी का सामान खरीदने वाला 01 आरोपी कुल 03 गिरफ्तार, एक आरोपी के पैर में लगी गोली। कब्जे से 01 मैजिक गाड़ी, 01 मोटर साइकिल चोरी की, 01 तमंचा, 01 खोखा कारतूस व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर, 02 मोबाइल व चोरी किया हुआ 85 घंटा पीतल का व कुछ घंटा को बेचकर कुल 2800 रुपया नगद बरामद।

पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा वांछित अपराधियों तथा शातिर चोरो की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जौनपुर व क्षेत्राधिकारी बदलापुर के पर्यवेक्षण एवं दिशाझनिर्देशन में आज दिनांक-09.07.2025 को थानाध्यक्ष सुजानगंज मय हमराह व स्वाट टीम द्वितीय मय पुलिस टीम द्वारा थाना सुजानगंज अन्तर्गत ग्राम बारा नहर पुलिस के पास वांछित अपराधियों तथा अपराध की रोकथाम के सम्बंध में बातचीत की जा रही थी कि पुलिस टीम को आते हुए देखकर 02 मोटरसाइकिल सवार चार बदमाशों द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए मौके से भागने लगे। थानाध्यक्ष सुजानगंज द्वारा आत्मरक्षार्थ में गोली चलायी गयी। जो एक बदमाश के बाये पैर में गोली लगी तथा एक बदमाश भागा जिसे पुलिस टीम द्वारा घेर कर पकड़ लिया गया। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से एक तमंचा , 01 जिंदा कारतूस व 1500 रुपया बरामद किया गया तथा दूसरा आरोपी पप्पू उर्फ प्यारे लाल पुत्र गिरधारी लाल निवासी नरवारी थाना आसपुर देवसरा जनपद प्रतापगढ़ के कब्जे 1300 रुपया बरामद किया गया तथा पुछतांछ में बदमाशो द्वारा बताया गया कि अन्य भागे हुए 1. रिंकू पण्डित उर्फ भीम दूबे उर्फ दीपक पुत्र राम प्रकाश दूबे निवासी ग्राम पिलकिछा थाना खुटहन जनपद जौनपुर 2.हरि श्याम अग्रहरि उर्फ भोला उर्फ देव पुत्र श्याम नारायण अग्रहरि थाना कोईरीपुर थाना चांदा सुल्तानपुर जो मैजिक चला रहा था मैजिक तथा बदमाश की तलाशी ली गयी तो मैजिक में 03 बोरे में चोरी किया घंटा कुल 85 अदद मिला । सभी पकड़े गये बदमाश को कारण गिरफ्तारी बताते हुए समय 03.20 बजे भोर में गिरफ्तार करके घायल बदमाश को ईलाज हेतु सरकारी वाहन से सीएचसी सुजानंज भेजा गया जहाँ से घायल बदमाश के बेहतर ईलाज हेतु जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जहाँ पर ईलाजरत है। उक्त के सम्बन्ध मे थाना हाजा पर मु0अ0सं0 190/25 धारा 109(1) बी.एन.एस. व 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर अग्रेतर कार्यवाही प्रचलित है।

प्रयागराज में पानी के गड्ढे में मिला लापता चार बच्चों के शव

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। जनपद के मेजा इलाके के बेदौली गांव से लापता चार मासूम बच्चों की बुधवार सुबह घर से कुछ ही दूरी पर पानी भरे गड्ढे में लाश उतराती हुई मिली तो सनसनी फैल गई। चारों बच्चों में दो भाई-बहन हैं। बाकी दो पड़ोसी हैं। सूचना पर मौके पर एसीपी मेजा एसपी उपाध्याय के साथ मेजा थाना अध्यक्ष राजेश उपाध्याय पहुंच गए। चारों बच्चों के शव को पहले सीएचसी रामनगर ले जाया गया।

एक दिन पहले से थे गायब

जहां चिकित्सकों ने चारों को मृत घोषित कर दिया। घर में कोहराम मचा हुआ है। मेजा थाना क्षेत्र के बेदौली गांव के आदिवासी बस्ती के ज्यादातर लोग गांव में स्थित ईंट भट्ठा या मनरेगा में मजदूरी का काम करते हैं। उनकी बस्ती के पास ही ईंट भट्ठा संचालित होता है। ईंट भट्ठा संचालक द्वारा मिट्टी निकालने के चक्कर में बड़ा गड्ढा कर दिया गया है। जिसमें बारिश का पानी भरा हुआ है। मंगलवार शाम तीन बजे बस्ती के लोग मनरेगा के काम में चले गए थे। शाम पांच जब बस्ती के लोग घर आए तो हीरा आदिवासी का बेटा हुनर (5), हीरा आदिवासी की बेटी वैष्णवी (3), संजय आदिवासी का बेटा खेसारी लाल (5) और विमल आदिवासी का बेटा कान्हा (5) वर्ष घर से लापता थे। इन चारों बच्चों की खोजबीन पूरी बस्ती के लोग काफी देर तक किए लेकिन कुछ भी पता नहीं चल सका। मेजा पुलिस ने रात में ही चारों बच्चों के लापता होने पर गुमशुदगी दर्ज कर खोजबीन शुरू की थी, लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। बुधवार सुबह छह बस्ती के लोगों की निगाह ईंट भट्ठा के बगल पानी भरे गड्ढे पर गई तो वहां पर चारों मासूम बच्चों की लाश उतरती हुई दिखी। ऐसे में सनसनी फैल गई। घर में कोहराम मच गया। बस्ती के लोगों ने चारों बच्चों की उतराती हुई लाश को बाहर निकाल लिया। सूचना पर एसीपी मेजा, एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव सहित कई थानों की फोर्स पहुंच गई। पुलिस के मुताबिक चारों बच्चे खेलते खेलते पानी भरे गड्ढे में चले गए। जिससे चारों मासूम बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने चारों बच्चों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसडीएम मेजा ने बताया की चारों बच्चों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए सहायता के रूप में दिया जाएगा। मेजा थाना क्षेत्र के बेदौली गांव में पानी में डूबने से जिन चार बच्चों की मौत हुई है उसमें दो बच्चे सगे भाई बहन हैं। यह बच्चे हीरा आदिवासी के हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटना के बाद बस्ती में कोहराम मचा हुआ। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। परिवार के लोगों से घटना के बारे में जानकारी ली।

छोटे भाई की पत्नी के सिर पर हथौड़ा से किया वार, मौत

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मिजार्मुराद थाना क्षेत्र के अमीनी गांव में मंगलवार सुबह जेठ उदयनाथ ने भाई की पत्नी अनीता प्रजापति (32) की हथौड़े से सिर पर वार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी जेठ को घटनास्थल से गिरफ्तार किया। मकान में निर्माण कार्य के दौरान सीमेंट-बालू मसाला उठाने के विवाद को लेकर जेठ ने वार किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया ।फॉरेंसिक टीम नें शुरू किया छानबीन सामने आया मामला,हुबलाल प्रजापति राजगीर मिस्त्री है। सुबह वह घर के अंदर की दीवार का प्लास्टर कर रहा था। हुबलाल के काम में पत्नी अनीता भी हाथ बंटा रही थी। इस बीच हुबलाल ने पत्नी से कहा कि बड़े भाई उदयनाथ बाहर होंगे, उनसे सीमेंट-

मामूली विवाद नें लिया बड़ा रूप

बालू का मसाला देने के लिए बोलो। अनीता ने जेठ से मसाला लाने के लिए कहा तो दोनों के बीच विवाद हो गया। इस पर घर के बाहर रखे हथौड़े से उदयनाथ ने अनीता के सिर पर वार कर दिया। लहूलुहान अनीता को लेकर परिजन पहले एक निजी अस्पताल गए। जहां से उसे बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। अपराह्न तीन बजे अनीता को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। किसी ने अनीता के परिजनों को भी सूचना दे दी। परिजनों ने पति और बड़े भाई के खिलाफ थाने में तहरीर दी।

एसीपी राजातालाब अजय श्रीवास्तव व थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय ने छानबीन की। फॉरेंसिक टीम ने हथौड़े को कब्जे में ले लिया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि आरोपी उदयनाथ की मानसिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है। दो वर्ष पूर्व मानसिक चिकित्सालय में भर्ती था।

वन मंत्री डॉ.अरुण सक्सेना का आगमन आज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डॉ. अरुण कुमार सक्सेना वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री 10 जुलाई को जौनपुर आ रहे हैं। मंत्री प्रातः 7 बजे लखनऊ से चलकर प्रातः 9.50 पर श्री कमलम कार्यालय मरगुपुर बदलापुर आयेंगे जहां पर बदलापुर विधायक रमेश चन्द मिश्रा के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर, पीली नदी पर वृहद वृक्षारोपण अभियान, एवं पार्टी जनप्रतिनिधि कार्यकर्ताओ से मुलाकात करेंगे। दोपहर 1.30 पर बदलापुर से प्रस्थान कर दोपहर 2.00 बजे डॉ विवेक श्रीवास्तव साल्वेशन हॉस्पिटल कंधरपुर पहुंचेंगे जहां पर वृक्षारोपण करेंगे और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 7235 जौनपुर/कायस्थ समाज जौनपुर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भाग लेंगे। दोपहर 3.30 पर रूहटा स्थिति भगवान चित्रगुप्त मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। फिर शाम 3.50 पर सद्भावना पुल स्थिति बाबा केरारवीर मंदिर में पूजन दर्शन करने के बाद गोमती नदी तट पर महादेव सेना विमल सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष दक्षिण कमलेश निशाद, भाजपा नगर अध्यक्ष उतरी सारिका सोनी द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान में भाग लेंगे । तत्पश्चात उसके बाद शाम 4.30 बजे भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट के सदर चुंगी आवास पर पहुंचेंगे जहां पर विभिन्न संगठनों के लोगो से मुलाकात करेंगे। शाम 5.45 बजे चौकियां धाम में दर्शन पूजन, विकाश पड़ा द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान में शामिल होंगे। उसके बाद मंत्री लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजेश श्रीवास्तव बच्चा भईया एडवोकेट ने जनपदवासियों से कार्यक्रम में सहभागिता करने का अनुरोध किया है।

स्कूली बसों को लेकर चल रहा सघन चेकिंग अभियान

मानक के अनुरुप बसों के खिड़की, जाली, आपातकालीन द्वार होना अनिवार्य

विशाल गुप्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। यातायात पुलिस द्वारा बुधवार को स्कूली वाहनो के विरुद्ध विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें मानक के अनुरुप बसों के खिड़की, जाली, आपातकालीन द्वार की स्थिति, वाहन का रख-रखाव, यातायात नियमों के पालन, वाहन के समस्त प्रपत्र जैसे-आर0सी0, फिटनेस, बिमा, ड्राइवर का डी0एल0 तथा सीट से अधिक बच्चे तो नही बैठाये गये है, की जाँच की गयी। जिसमें इनके विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही करते हुए 56 वाहनो को

चेक किया गया व 16 वाहन के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गयी। साथ ही जनपद के सभी विद्यालय के प्रबंधक व प्रधानाचार्य को सूचित किया जाता है कि प्राइवेट वाहनों का प्रयोग बच्चों को विद्यालय आवागमन में नहीं करेंगे तथा अपने विद्यालय के सभी स्कूली वाहनों का सभी आवश्यक कागजात पूर्ण कराके मानक के अनुरुप ही संचालन कराये, व स्कूली वाहन में सीट से अधिक बच्चों को न बैठाये। उपरोक्त निदेशों के विरुद्ध पाये जाने पर इनके विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आवश्यक प्रवर्तन की कार्यवाही की जायेगी।

पीयू परिसर में कुलपति ने लगाया हरिशंकरी का पौध

◆ एक पेड़ मां के नाम का हुआ शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से एक पेड़ मां के नाम वृहद पौधारोपण अभियान के अंतर्गत कुलपति प्रो वंदना सिंह द्वारा हरिशंकरी पौधरोपण कर इस महाअभियान का शुभारंभ किया गया। साथ ही उपस्थित जनसमूह को अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने पीपल का पौधारोपण किया। इस अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर एवं जनपद जौनपुर और गाजीपुर के सम्बद्ध महाविद्यालयों में एक पेड़ मां नाम पौधारोपण महाअभियान का कार्य किया जाना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर पौधारोपण के नोडल प्रो राज कुमार, प्रो मनोज मिश्र, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो गिरिधर मिश्र, राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव, प्रो विक्रम देव, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नन्द किशोर सिंह एवं महामंत्री रमेश यादव, डॉ.धीरेन्द्र चौधरी, डॉ.मनीष गुप्ता, डॉ.मनोज पांडेय, डॉ.पुनीत सिंह, डॉ.नितेश जायसवाल, डॉ.इंद्रेश गंगवार, डॉ.शोमारू राम, डॉ अवधेश कुमार मौर्य उच्च शिक्षा जनपद जौनपुर के नोडल अधिकारी डॉ.शशिकांत यादव एवं छात्र छात्राओं ने पौधारोपण महाअभियान भाग लिया।

घर में पकड़े गए युवक की प्रेमिका से कराई गई शादी

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में एक गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब रात के अंधेरे में एक युवक चुपके से एक घर में घुसता हुआ पकड़ा गया। शुरूआत में लोगों को लगा कि कोई चोर चोरी के इरादे से घर में दाखिल हुआ है, लेकिन जब मामले की तह में जाकर पूछताछ की गई, तो कहानी कुछ और ही निकली, यह चोरी नहीं बल्कि एक प्रेम कहानी थी।जानें क्या है पूरा मामला...

मिली जानकारी के अनुसार, मामला सरपतहां थाना क्षेत्र के एक गांव का है, जहां एक गांव की एक युवती और खुटहन थाना क्षेत्र के पनौली गांव निवासी एक युवक के बीच पिछले एक साल से प्रेम संबंध था। सोमवार की रात उक्त युवक अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा, लेकिन बाहर सो रहे उसके माता-पिता को कुछ हलचल की आहट हो गई। शोर मचाने पर युवक भागने लगा, मगर ग्रामीणों ने उसे

जौनपुर में प्रेम कहानी बनी चर्चा का विषय

दौड़ा कर पकड़ लिया।पहले तो समझा गया चोर, फिर निकला प्रेमी गांव वालों ने पहले तो युवक को चोर समझकर पूछताछ शुरू की, लेकिन सख्ती से सवाल किए जाने पर उसने स्वीकार किया कि वह युवती से प्रेम करता है और उससे मिलने आया था। जब युवती से पूछा गया तो उसने भी खुलकर प्रेम संबंध की पुष्टि करते हुए विवाह की इच्छा जताई।पंचायत बैठी, गांव के ब्रह्म स्थान पर कराई गई शादी मामला बढ़ने पर गांव के वरिष्ठजनों और युवक के परिजनों को बुलाकर पंचायत की गई। चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दोनों की शादी गांव के ब्रह्म स्थान पर कराई जाए। मंगलवार को तय समय पर ग्रामीणों की उपस्थिति में युवक और युवती की शादी कर दी गई। शादी के बाद नवविवाहित जोड़े को ग्रामीणों ने आशीर्वाद दिया और युवती अपने प्रेमी के साथ ससुराल रवाना हो गई। यह मामला अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बयालसी पीजी कालेज में हुआ वृक्षारोपण

जलालपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत बयालसी पीजी कालेज जलालपुर जौनपुर में आज बड़ी संख्या में महाविद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। प्राचार्य डॉ. अलकेश्वरी सिंह ने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने व उसकी सुरक्षा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान को मां से जोड़ा गया है। साथ ही लक्ष्य रखा गया है कि हर व्यक्ति अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाए। भावनात्मक जुड़ाव के बाद हर व्यक्ति अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाएगा। ज्ञात हो कि पर्यावरण को बचाने और हरियाली बढ़ाने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की गई है। पूरे प्रदेश में एक दिन में लाखों पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्राचार्य ने आगे कहा कि एक पेड़ मां के नाम लगाकर अपनी मां की याद को चिर स्थायी बनाये एंव धरती मां को भी सवारें। अपनी मां की स्मृति में बड़ी संख्या में वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। इस अवस इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ अंशुमान सिंह, डॉ जितेंद्र प्रसाद यादव, विनय प्रताप सिंह, डॉ नीलम सिंह, प्रतिभा सिंह छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

जौनपुर में पांच दिनों से अंधेरे में डूबा एक थाना परिसर

रियाजुल हक

सिकरारा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विद्युत उपकेंद्र के समीप स्थित सिकरारा थाना परिसर पिछले पांच दिनों से अंधेरे में डूबा हुआ है। विद्युत उपकेंद्र में लगे 25 केवीए के एक ट्रांसफार्मर से थाना परिसर में विद्युत सप्लाई होती है। उक्त ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण थाना परिसर में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है। जिससे न केवल थाने के दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। बल्कि पुलिसकर्मियों और आम जनता को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली के अभाव में पेयजल आपूर्ति भी बाधित है। जिससे थाना परिसर में पीने के पानी की किल्लत पैदा हो गई है। पुलिस कर्मी आपस मे चंदा जुटा कर जेनरेटर में डीजल भरवा कर ऑफिस के जरूरी काम के साथ साथ अपने बैरक में लगे इन्वर्टर चार्ज करने को विवश है। पुलिस कर्मियों की माने तो विद्युत सप्लाई बाधित होने की सूचना उपकेंद्र के अवरअभियंता (जेई) को कई बार दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जेई की उदासीनता के कारण समस्या जस की तस बनी हुई है। थाना परिसर में बिजली न होने से रात में कार्यालय का कामकाज लगभग ठप हो गया है।

पानी की किल्लत के साथ दैनिक कार्य भी हो रहे प्रभावित

एक हफ्ते से नहीं बदला जा सका फुंका हुआ ट्रांसफार्मर

कंप्यूटर, पंखे, और अन्य जरूरी उपकरण बंद पड़े हैं। जिससे शिकायतों का निपटारा और अन्य प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। थाने में तैनात पुलिसकर्मियों का कहना है कि बिजली के अभाव में गर्मी और उमस में ड्यूटी करना मुश्किल हो गया है। एक पुलिसकर्मी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया। पांच दिन से बिजली नहीं है। पानी की भी समस्या हो गई है। हमारी शिकायतों पर बिजली विभाग के जेई कोई ध्यान नहीं दे रहे। वहीं, थाने में शिकायत दर्ज कराने आने वाले लोगों को भी अंधेरे में बैठकर अपनी बात रखनी पड़ रही है। जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों ने भी बिजली विभाग की लापरवाही पर नाराजगी जताई है। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि थाना परिसर ही अगर अंधेरे में डूबा रहेगा। तो आम जनता की समस्याओं का समाधान कैसे होगा।बिजली विभाग को तुरंत इस दिशा में कदम उठाना चाहिए।इस मामले में जब बिजली विभाग के जेई मुलायम सिंह यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया स्टोर से ट्रांसफार्मर आ गया लेकिन कर्मियों की लापरवाही के चलते ट्रान्सफार्मर पोल पर चढ़ाने के सामान नही आ सका है।कल तक ट्रांसफार्मर अवश्य लग जाएगा। खबर लिखे जाने तक ट्रांसफार्मर नहीं लगाया गया था।

मानीकलां गांव में लगा गंदगी का अंबार, संक्रामक रोगों का खतरा बढ़ा

गांवों में जगह-जगह गंदगी का ढेर लगा हुआ है जिससे बीमारियों का बढ़ गया है खतरा

आफताब आलम

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के अंतर्गत कस्बा मानीकलां में नियमित सफाई न होने के कारण नालियों और सड़कों पर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। इससे न केवल बदबू और गंदगी की समस्या है।बल्कि मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है, जिससे संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। लोग गंदगी के बीच रहने को मजबूर हैं, और कचरा प्रबंधन की कोई व्यवस्था नहीं है।

कस्बा मानीकलां में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है।गांव में तैनात दो सफाईकर्मी काम में रुचि नहीं ले रहे हैं। ऐसे में गांवों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वहीं, गांवों में दम तोड़ रहे स्वच्छ भारत मिशन अभियान के कारण अब ग्रामीणों को संक्रामक रोगों का खतरा भी सताने लगा है। ऐसा ही कस्बा मानीकलां में देखने को

मिला। यहां नाली की सफाई न होने से हल्की बरसात में ही ग्रामीणों की मुसीबत बढ़ जाती है। नालियां चोक होने के कारण बरसात का पानी गांव से बाहर नहीं निकल पाता है। वहीं, लोगों के घरों का पानी भी गांव की गलियों में ही फैलता रहता है। ऐसे में वहां कीचड़ व जलभराव के कारण जहां नालियों का पानी काला पड़ गया है वहीं दुर्गंध के कारण संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी है। प्रशासन की ओर से लोगों को स्वच्छता अपनाने तथा घरों के आसपास सफाई रखने के लिए जागरूक किया जा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी व जिला पंचायत राज अधिकारी का ध्यान आकर्षित कराते हुए गांव में स्वच्छता अभियान चलाने व समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

इस सम्बन्ध में जब ग्राम प्रधान मानीकलां मोहम्मद अरशद से पूछा गया तो उनका कहना है हमने एडीओ पंचायत को लिखित में एक प्रार्थना पत्र दिया है जो कि कि सफाई कर्मी को हटाने की मांग की है। आये दिन इन लोगों की शिकायत मिलती रहती थी। और गांव में कार्य नहीं करते थे।

इस संबंध में जब हिन्दी दैनिक उत्तरशक्ति के साह संपादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने दूर संचार के माध्यम से एडीयो पंचायत से सम्पर्क किया।तो उनका कहना था कि उनके ऊपर विभागी कार्यवाई की गई है।कार्य न करने पर वेतन नहीं दिया जाएगा और दोनों सफाई कर्मी को कस्बा मानीकलां से हटाने की प्रक्रिया चल रही है।

ब्रेकर पर गिरने से बाइक सवार महिला की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बरसठी थाना क्षेत्र में मंगलवार की शाम बारी गांव पूरेसवा रोड पर रमा देवी इंटर कॉलेज के सामने बने नए ब्रेकर पर बाइक सवार एक महिला की गिरने से मौत हो गई है। महिला उर्मिला देवी पत्नी ओम प्रकाश मौर्या उम्र 46 वर्ष अपने बेटे के साथ मायके से घर लौट रही थी।कि घर से महज एक किलो मीटर दूर पर ही रमा देवी इंटर कॉलेज के सामने दुर्घटना से बचने के लिए बनाए गए ब्रेकर पर बाइक सवार महिला की गिरने से सिर में गंभीर चोट आ गई। जिसके बाद तुरंत स्थानीय लोगों के सहयोग से महिला को इलाज के लिए जौनपुर सदर ले जाया गया। जहां स्थिति नाजुक देखते हुए महिला को रेफर कर दिया गया जिसे इलाहाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया महिला की आज सुबह मौत हो गई। परिजनों में इस घटना से कोहराम मच गया वही दूसरी ओर ग्रामीणों का कहना है कि वहां से यह ब्रेकर हटाया जाय जिसके कारण यह हादसा हुआ है। ब्रेकर मानक के अनुसार नहीं बना हुआ है। ब्रेकर के सम्बन्ध में सम्बन्धित जिम्मेदार लोगों से संपर्क करना चाहा तो उन्होंने किसी प्रकार का कोई जवाब नहीं दिया।

रेल रोको आंदोलन की चेतावनी-जज सिंह अन्ना

जौनपुर। जनपद जौनपुर के जंघई जफराबाद रेलखंड पर जज सिंह अन्ना के नेतृत्व में जंघई जक्सन ठफ्जरौना हाल्ट के बीच रामपुर चौथार गांव में रेल -अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीणों ने मंगलवार को आंदोलन शुरू किया 8: बजे से 8:45 तक ग्रामीण रेल पटरी किनारे खड़े रहे और अपनी मांग करते रहे। मछली शहर ब्लॉक के थाना मीरगंज अंतर्गत रामपुर चौथार में रेल अंडरपास नहीं बनेगा तो रेल आंदोलनकारी रेल रोको आंदोलन की भी घोषणा कर रहे हैं। इस अंडरपास की मांग 25 वर्षों से की जा रही है। लेकिन कोई रेल का अधिकारी अभी तक संज्ञान में नहीं लिया है । जंघई जंक्शन से 6 किलोमीटर दूरी पर ग्राम सभा रामपुर चौथार स्थित है। और जरौना रेलवे स्टेशन से भी 3 किलोमीटर दूरी पर रामपुर चौथार स्थित है। भटहर गांव सभा से कमासिन रोड पर अंडरपास की मांग की जा रही है। किसान अपना ट्रैक्टर शादी विवाह और रोज का यातायात अन्डरपास नहीं होने के कारण यात्रा करने में असमर्थ है।

विद्यालय में छह वर्षीय बच्ची को सर्प ने काटा, हालत गंभीर

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सरेमू गांव में एक छह वर्षीय बच्ची को विद्यालय में सर्प ने काट लिया। जिससे बच्ची की हालत गंभीर हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गए।बता दें कि गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सरेमू गांव के समसुद्दीन की छह वर्षीय पौत्री अरीबा बुधवार की प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने के लिए गयी हुई थी बताया जाता है कि स्कूल में ही एक जगह हरे घास के पास बच्ची खेल रही थी उसी समय सर्प ने बच्ची को डस लिया। बच्ची के हाथ मे चीर के निशान थे। बच्ची के बेहोश होने पर शिक्षकों ने घर पर सूचना दिया। परिजन बच्ची को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर भागे। वहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

श्री गुरु पूर्णिमा महोत्सव

मुंबई। भगवान श्री वेंकटेश जी के सानिध्य में गुरु पूर्णिमा महोत्सव श्री वेंकटेश देवस्थान, फणस वाडी, मुंबई पर 10 जुलाई 2025 को गादी स्वामी निवास आचार्य एवं श्री अनंतचार्य जी महाराज (बालक स्वामी जी) की उपस्थिति में प्रातः 9बजे से 1बजे तक मनाया जायेगा। सभी भक्त एवं शिष्य जनों से इस अवसर पर उपस्थित होकर गुरु पूर्णिमा, आचार्य पूजन का लाभ उठाने की अपील आयोजकों द्वारा किया गया है।

सिंटेक्स प्योर+ खरीदें और स्वच्छता के साथ स्वास्थ्य की सुरक्षा करें

मुंबई। भारत में वॉटर टैंक प्रोडक्ट के सबसे भरोसेमंद नामों में से एक, वेलस्पन ने नई सिंटेक्स तकनीक, सिंटेक्स प्योर+ एंटी-माइक्रोबियल वाटर टैंक की विशेषताओं के बारे में बताते हुए कहा कि मानसून के दौरान, पानी को दूषित करने वाले कारकों और कीटाणुओं में वृद्धि होने के कारण पानी आसानी से दूषित हो जाते हैं। इसलिए सिंटेक्स प्योर+ टैंक को खासतौर पर पानी को शुद्ध और साफ रखने के लिए डिजाइन किया गया है, जो बारिश के मौसम में पानी की स्वच्छता संबंधी समस्याओं के लिए समाधान के रूप में काम करता है। इसमें दिया गया ह्य+ह्ल चिन्ह कई अतिरिक्त सुविधाओं का प्रतीक है, जिनमें से एक है एक्टिव सिल्वर टेक्नोलॉजी। यह तकनीक 4ढ लाभ प्रदान देती है -जो पानी को शैवाल, फफूंदी , बैक्टीरिया और वायरस से सुरक्षित रखती है। जैसे-जैसे मानसून का मौसम नजदीक आ रहा है, सिंटेक्स ग्राहकों को ऐसे वॉटर टैंक चुनने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है जो न केवल लंबे समय तक चलें, बल्कि उनके स्वास्थ्य की भी रक्षा करें। चूंकि वॉटर टैंक की गुणवत्ता इस बात को प्रभावित करती है कि पानी कितना साफ रहता है - इसलिए इसका सीधा असर पूरे परिवार के स्वास्थ्य पर पड़ता है। सिंटेक्स प्योर+ जमा पानी को शुद्ध और स्वच्छ रखकर मानसून के दौरान पानी के कारण होने वाली बीमारियों को फैलने से रोकने में मदद करता है, जिससे सभी के लिए बेहतर स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित होती है। वेलस्पन बीएपीएल के एमडी और सिंटेक्स के निदेशक यशोवर्धन अग्रवाल ने इस मौके पर कहाः ₹दशकों से, सिंटेक्स ने लोगों के स्वास्थ्य और कल्याण पर विशेष ध्यान देते हुए, नए इनोवेशन के माध्यम से जिम्मेदार और सुरक्षित स्टोरेज टैंक जैसे समाधान बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने लॉन्च किया मल्टी एसेट फंड

पटना। फ्रैंकलिन टेम्पलटन (इंडिया) ने निवेशकों के लिए एक नया विकल्प फ्रेंकलिन इंडिया मल्टी एसेट एलोकेशन फंड लॉन्च किया है। यह एक ओपन-एंडेड मल्टी एसेट एलोकेशन फंड है जो इक्विटी, डेट और कमोडिटीज में निवेश करता है। यह फंड सक्रिय रूप से मैनेज किया जाएगा और इसका उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी में वृद्धि? करना है। इसमें लार्ज, मिड और स्मॉल कैप सेगमेंट में ग्रोथ और वैल्यू स्ट्रैटेजी के मिश्रण के साथ-साथ डेट, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स और कमोडिटीज में निवेश शामिल होगा। न्यू फंड ऑफर 11 जुलाई 2025 से खुलेगा और 25 जुलाई 2025 तक चलेगा, जिसमें यूनिट्स रुपए 10 प्रति यूनिट की कीमत पर उपलब्ध होंगी। इस फंड का उद्देश्य बाजार की अस्थिरता के बीच दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि और बेहतर रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न देना है। कंपनी के प्रेसिडेंट अविनाश सत्वालकर ने बताया कि यह स्कीम फ्रैंकलिन टेम्पलटन के वैश्विक अनुभव और एसेट एलोकेशन मॉडल पर आधारित है, जो निवेशकों के लिए संतुलित और समझदारी भरा विकल्प पेश करती है। फंड की निवेश रणनीति पर, फ्रैंकलिन टेम्पलटन के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर झ (इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी - इंडिया) जानकीरमन आर ने कहा फंड में इक्विटी चयन के लिए क्यूजीएसवी मॉडल (क्वालिटी, ग्रोथ, सस्टेनेबिलिटी, वैल्यूएशन) अपनाया जाएगा, जबकि डेट और गोल्ड जैसी कमोडिटीज अस्थिरता से बचाव का काम करेंगी। फ्रैंकलिन टेम्पलटन के सीआईओ इंडिया फिक्स्ड इनकम, राहुल गोस्वामी ने कहा, ₹पिछले 20 वर्षों में टॉप-परफॉर्मिंग एसेट क्लास समय-समय पर इक्विटी, फिक्स्ड इनकम और कमोडिटीज के बीच बदलता रहा है। इस कारण समय के अनुसार इन तीनों में संतुलित एलोकेशन वाला पोर्टफोलियो निवेशकों को कम जोखिम के साथ विकास का अच्छा अवसर दे सकता है।

जनसेवा का अर्थ केवल दान नहीं, संपूर्ण जीवन का समर्पण है : श्री सर्वेश्वरी समूह

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्री सर्वेश्वरी समूह, जो कि एक वैश्विक सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, ने समाजसेवा के क्षेत्र में एक बार फिर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। संस्था के मंत्री डॉ. एसपी सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस वर्ष संस्था द्वारा 93 हजार 082 से अधिक रोगियों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण कर उन्हें आयुर्वेदिक, फकीरी एवं समवर्ती चिकित्सा पद्धतियों से औषधि प्रदान की गई। संस्था द्वारा महा पुष्ट रोगियों, दुर्गम वनवासी क्षेत्रों में चिकित्सा शिविरों के माध्यम से सेवा की गई। इतना ही नहीं, मिर्गी जैसे जटिल रोग के उपचार में भी आश्चर्यजनक सफलता मिली है। अवधूत भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम की चिकित्सा सेवा को गिनीज बुक और लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज कर अंतरराष्ट्रीय ख्याति भी प्राप्त है। वर्तमान पर्यावरण संकट के प्रति गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए श्री सर्वेश्वरी समूह ने 15,000 से अधिक पौधे रोपण का संकल्प लिया है। हिमालयी क्षेत्र से लाए गए दुर्लभ प्रजातियों के बाल वृक्ष सोगरा आश्रम (ब्रह्मनिष्ठाला) में लगाए गए हैं ताकि जैव विविधता, जलधारण क्षमता और मिट्टी की गुणवत्ता में वृद्धि हो सके। संस्था गौसेवा को भारतीय संस्कृति का प्रमुख अंग मानते हुए समर्पण भाव से इस दिशा में काम कर रही है। आधुनिक जीवनशैली में आ रहे विकार और मिलावटयुक्त खानपान से उत्पन्न बीमारियों से जनमानस को बचाने के लिए जागरूकता अभियान

भी चलाया गया है। ठंड के मौसम में हजारों जरूरतमंदों को कंबल, रजाई, सेटर, टोपी, स्कार्फ व मफलर वितरित किए गए। वहीं गर्मी में पाठशालाओं, कथा स्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर शरबत पिलाकर राहत दी गई। कुंभ मेला, अयोध्या की 14 कोसी परिक्रमा, रांची की जगन्नाथ रथ यात्रा से लेकर भाटापारा (छत्तीसगढ़) की शोभायात्रा तक झ हर स्थान पर संस्था की सेवा उपस्थिति रही।

वनवासी क्षेत्रों के विद्यालयों में लेखन सामग्री, खेलकूद सामग्री, पाठ्य पुस्तकें और वर्दी वितरित की गई। साथ ही, राष्ट्रीय विषयों पर लेख प्रतियोगिताएं आयोजित कर बच्चों को मेडल प्रदान किए गए। अनेकों गरीब बच्चों को भोजन, वस्त्र, आवास व शिक्षा की भी व्यवस्था संस्था द्वारा की गई है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा अघोर परंपरा के चार महान संतों झ बाबा कीनाराम, भगवान राम, बाबा गुरुपद संभव राम और बाबा राजेश्वर राम के नाम पर स्वर्ण पदक की शुरूआत की गई है, जो संस्था की विचारधारा के अकादमिक विस्तार का प्रतीक है।धार्मिक समरसता के भाव से प्रेरित होकर संस्था ने मंदिरों, मस्जिदों, गिरिजाघरों और गुरुद्वारों में झाड़ू एवं पूजन सामग्री भेंट कर स्वच्छता और श्रद्धा का समन्वय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष डॉ. बृज भूषण सिंह, वैद्य बैकुंठनाथ पांडे, डॉ. बामदेव पांडे और वरिष्ठ पत्रकार श्री दिलीप सिंह भी उपस्थित रहे।

मुंह बंद रखो नही तो दे दूंगा तलाक, विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विवाह एक ऐसा पवित्र बंधन है जो जन्म जन्मांतर का साथ माना जाता है। मगर कुछ लोग सब कुछ किनारे कर महिलाओ पर अत्याचार करने से बाज नही आते। ऐसा ही मामला नगर के एक मुहल्ला से प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार नगर के चूड़ी मुहल्ला निवासी सलमा बेगम पत्नी शाहबाज रब्बानी ने बुधवार को अपने तीन मासूमो के साथ पहुंच कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए आरोप लगाया की उसका पति जब से शादी हुआ है तब से दहेज के लिए प्रताड़ित करता है और आये दिन मारता पिटता है। आगे तहरीर में कहा की शहबाज का एक दूसरे युवती से भी अवैध सम्बन्ध है। जिसका विरोध करने पर उसने मंगलवार को मुझे और मेरे दस वर्षीय पुत्र को बुरी तरह मारा पीटा। और घर से निकाल दिया।और कहा की मुंह बन्द रखो अगर पुलिस के पास गई तो तलाक दे दूंगा ।फिलहाल कोतवाली पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने 'स्कूल बचाओ अभियान' के तहत बच्चों से की बातचीत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आज मकानपुर में 'स्कूल बचाओ अभियान' के तहत स्कूली बच्चों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बच्चों की शिक्षा से जुड़ी समस्याओं और उनके भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। सांसद संजय सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलनी चाहिए, क्योंकि शिक्षा ही उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव है। उन्होंने बच्चों से उनके स्कूल में आने वाली समस्याओं, जैसे शिक्षकों की कमी, बुनियादी सुविधाओं का अभाव, और पाठ्यक्रम से जुड़ी चुनौतियों के बारे में पूछा। बच्चों ने भी खुलकर अपनी बातें रखीं और अपनी अपेक्षाएं साझा कीं।सिंह ने बच्चों को आश्वस्त किया कि वे उनकी समस्याओं को संसद में उठाएंगे और सरकार से इन पर ध्यान देने का आग्रह करेंगे। उन्होंने 'स्कूल बचाओ अभियान' के उद्देश्यों को भी स्पष्ट किया, जिसका मुख्य लक्ष्य देश के हर बच्चे के लिए बेहतर शैक्षिक वातावरण सुनिश्चित करना है।इस बातचीत के दौरान सांसद संजय सिंह ने बच्चों को खूब प्रोत्साहित किया और उन्हें बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य इन बच्चों के हाथों में है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करना हम सभी का कर्तव्य है।इस कार्यक्रम में स्थानीय शिक्षा अधिकारी और अभिभावक भी मौजूद थे, जिन्होंने सांसद के इस पहल की सराहना की। 'स्कूल बचाओ अभियान' के तहत ऐसे और भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि जमीनी स्तर पर शिक्षा की स्थिति को बेहतर बनाया जा सके।

जनपद जौनपुर के 02 कुश्ती खिलाड़ियों का अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी चन्दन सिंह ने अवगत कराया है कि जौनपुर की पहलवान आस्था आनन्द सिंह पुत्री माधवनानन्द सिंह और माता मेनका सिंह भाजपा नेत्री निवासी सिपाह, जौनपुर की बालिका जो खेल विभाग द्वारा ज्ञान कुश्ती स्पोर्ट्स एकेडमी कबीरूद्दीनपुर में तैनात कुश्ती प्रशिक्षक अशोक कुमार सोनकर की देख-रेख में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। अपने खेल कौशल एवं प्रदर्शन से खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 2025 में 65 किग्रा0 भार वर्ग में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए सिल्वर मेडल प्राप्त किया। आस्था का चयन बहरीन में 22 से 31 अक्टूबर 2025 तक आयोजित होने वाले एशियन यूथ गेम्स में कुश्ती में 61 किग्रा0 भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। दूसरी तरफ ग्राम उत्तरगांव पोस्ट धमार्पुर निवासी जयवीर सिंह पुत्र जय सिंह का चयन अण्डर-17 वर्ल्ड कैडेट रेसलिंग चैम्पियनशिप के फ्री-स्टाईल 55 किग्रा0 भारवर्ग में विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप जिसका आयोजन एथेंस, ग्रीस में 28 जुलाई से 03 अगस्त, 2025 तक किया जायेगा, उक्त कुश्ती प्रतियोगिता में 61 किग्रा0 भारवर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनो प्रतिभावान खिलाड़ियों के अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में चयन पर चन्दन सिंह, क्रीड़ा अधिकारी जौनपुर, जिला कुश्ती संघ के महासचिव विजय बहादुर सोनकर, जिला कुश्ती संघ के अध्यक्ष कमला यादव तथा कुश्ती प्रशिक्षक अशोक कुमार सोनकर के साथ ही खिलाड़ियों के परिवारीजनों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दिया तथा साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में मेडल जीतने का आर्शिवाद भी दिया।

बिजली निजीकरण के खिलाफ बनारस की सड़कों पर फूटा जनाक्रोश

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में बुधवार को बिजली के निजीकरण और बढ़ती बिजली दरों के विरोध में ऐतिहासिक प्रदर्शन हुआ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के बैनर तले भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय पर हजारों की संख्या में अभियंता, अवर अभियंता, नियमित और संविदा कर्मी, महिला कर्मचारी और तकनीकी स्टाफ एकजुट हुए। यह आंदोलन सिर्फ बनारस ही नहीं, बल्कि पूरे देशभर में फैला। बिजली विभाग के साथ-साथ रेलवे, बैंक, एलआईसी, बीमा, डाक, शिक्षक संगठन और संयुक्त किसान मोर्चा जैसे कई केंद्रीय संगठनों ने भी इसे समर्थन दिया। संघर्ष समिति का दावा है कि देशभर में लगभग 25 करोड़

अधिकारी, कर्मचारी और किसान संगठनों ने इस सांकेतिक हड़ताल में भाग लिया। धरना स्थल पर ई. पंकज जैसवाल की अध्यक्षता और सौरभ श्रीवास्तव के संचालन में हुई सभा में वक्ताओं ने सरकार की बिजली निजीकरण नीति को जनविरोधी बताया। वक्ताओं ने चेताया कि अगर सरकार ने निजीकरण की प्रक्रिया नहीं रोकी, तो यह संघर्ष निर्णायक आंदोलन में बदलेगा। उन्होंने सवाल उठाए कि जब सरकार स्वयं 2012 से 2024 तक की बिजली सुधार उपलब्धियां गिना रही है, तो फिर उसी व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने का औचित्य क्या है?

प्रदर्शनकारियों के हाथों में बैनर और तख्तियां थीं जिन पर लिखा था– 'बिजली बिकेगी नहीं, संघर्ष झुकेगा नहीं', 'जनता की बिजली जनता को दो', 'बिजली का निजीकरण बंद करो', और 'बिजली की लूट बंद करो'। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि निजीकरण से– बिजली दरों में भारी वृद्धि होगी, ग्रामीण क्षेत्रों की सेवा प्रभावित होगी, संविदा और अस्थायी कर्मियों की नौकरी खतरे में पड़ेगी, और आईटीआई, डिप्लोमा, बीटेक जैसी तकनीकी पढ़ाई कर रहे लाखों छात्रों का भविष्य अनिश्चित हो जाएगा। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि बनारस समेत पूरे पूर्वांचल में विरोध प्रदर्शन चरम पर रहा। पावर हाउस, वितरण खंड कार्यालयों और बिजली स्टेशनों से कर्मियों ने कार्य का बहिष्कार कर भिखारीपुर धरना स्थल पर भाग लिया। आंदोलन को रेलवे, बैंक, बीमा और शिक्षक संगठनों से भी नैतिक समर्थन मिला।

सभा में ई. मायाशंकर तिवारी, ई. अनिल कुमार, ई. रामाशीष, राजेश सिंह, विजय नारायण हिटलर, अंकुर पाण्डेय, दीपक गुप्ता, रविन्द्र यादव, सौरभ श्रीवास्तव, चंदन विश्वकर्मा, मो. हारिश, उदयभान दुबे, जयप्रकाश, गजेंद्र श्रीवास्तव सहित कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

श्रावण मास को देखते हुये मंदिर क्षेत्र चला जागरूकता के साथ-साथ चला अभियान

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में कुछ दिनों से प्रारम्भ होने वाले श्रावण माह को ध्यान में रखते हुए नगर आयुक्त अक्षत वर्मा के द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र एवं उसके आस पास के बाजारों में स्वच्छता अभियान चलाये जाने के दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्रीय स्वास्थ्य निरीक्षक आशीष श्रीवास्तव तथा डाक्यूमेन्ट मैनेजर प्रीति सिंह के नेतृत्व में श्री काशी विश्वनाथ मंदिर क्षेत्र एवं चौक, ज्ञानवापी से लेकर नीचीबाग तक स्वच्छता अभियान चलाया गया।जिसके अन्तर्गत कूड़ा सड़कों पर न फेकने, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने, अपने घरों व दुकानों में दो प्रकार के डस्टबिन रखकर गीला कूड़ा सूखा कूड़ा अलग अलग रखने हेतु सभी दुकानदारों से मिलकर उन्हे अनुपालन करने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही नगर निगम के द्वारा इन क्षेत्रों में वृहद सफाई करायी गयी तथा कूड़े का उठान भी कराया गया। नगर निगम की टीम के द्वारा जागरूकता हेतु इन क्षेत्रों में स्वच्छता रैली भी निकाली गयी जिसका आम जन-मानस पर असर भी दिखा।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कुल्हनामऊ में पौधरोपण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कुल्हनामऊ स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट पर विशेष पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मनोरमा रामसूरत मौर्या ने कहा कि मां सिर्फ एक रिश्ता नहीं, बल्कि जीवन की प्रेरणा है। इस अभियान से हम न केवल प्रकृति को समृद्ध कर रहे हैं, बल्कि अपनी मां के प्रति श्रद्धा भी प्रकट कर रहे हैं। नगर पालिका ऐसे कार्यों को और गति देगी। कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित एडीएम भू-राजस्व अजय कुमार अंबष्ट ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन को बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण जरूरी है। एक पेड़ मां के नाम जैसी पहल समाज को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने का सराहनीय प्रयास है।नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी पवन कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास है कि हर व्यक्ति इस अभियान से जुड़े और अपनी मां के सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाए। यह पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी भी है। अध्यक्ष प्रतिनिधि डा. रामसूरत मौर्या ने कहा यह सिर्फ एक पौधरोपण कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को प्रकृति से जोड़ने की एक प्रेरणादायक शुरूआत है। मां के नाम पर लगाया गया एक पेड़ सैकड़ों जीवनों को शुद्ध हवा देगा। इस मौके पर डीपीएम खुशबू यादव, आशीष श्रीवास्तव, सभासदगण और कर्मचारियों ने भी पौध रोपण किया।

शाहगंज में दवा प्रतिनिधि रहे हड़ताल पर, राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को दिया समर्थन

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय श्रमिक संगठनों और स्वतंत्र ट्रेड यूनियंस ने केंद्र सरकार की जन एवं श्रम विरोधी नीतियों के खिलाफ, बुधवार को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था।

जिससे इसका असर देश के कई राज्यों सहित शाहगंज में भी देखने को मिला।यहां उत्तर प्रदेश मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव एसोसिएशन शाखा शाहगंज के बैनर तले दवा प्रतिनिधियों ने काम काज ठप्प रखा जिससे डॉक्टरों के केबिन में दवा प्रतिनिधियों के बिना खाली रहा और दवा प्रतिनिधियों ने किसी भी डॉक्टर के यहां पहुंच कोई आर्डर भी नही लिया।दवा प्रतिनिधियों ने सरकार से मांग की कि चार श्रम संहिताओं को खत्म करें और एस.पी.ई अधिनियम, 1976 की रक्षा करें।सरकारी अस्पतालों में मेडिकल प्रतिनिधियों के प्रवेश पर प्रतिबंध हटाएं और काम करने का अधिकार सुनिश्चित करें।

आत्मनिर्भरता के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की फार्मा कंपनियों को पुनर्जीवित करें।नकली व नकली दवा निमार्ताओं के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करें।सेवानिवृत्त बिक्री संवर्धन कर्मचारियों के लिए 9000/- रुपये न्यूनतम पेंशन घोषित करें।केंद्र सरकार द्वारा घोषित बिक्री संवर्धन कर्मचारियों के लिए 26910/- रुपये न्यूनतम वेतन लागू करें। बिक्री संवर्धन कर्मचारियों के लिए आठ घंटे का कार्य शेड्यूल घोषित करें और लागू करें।बिक्री से संबंधित उत्पीड़न को रोकें। गैजेट द्वारा ट्रैकिंग और निगरानी के माध्यम से गोपनीयता में कोई घुसपैठ नहीं होनी चाहिए।हड़ताल में संगठन के अध्यक्ष अमित यादव,सचिव कृष्णा यादव,कोषाध्यक्ष अमित विश्वकर्मा,शोएब अहमद,फैसल आशुतोष,अभिषेक ,सुजीत ,शशिकांत,मदन, नितेश, सूर्यमणि आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

जौनपुर के शायर असीम मछलीशहरी का हुआ सम्मान

मछलीशहर, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय कस्बे के मोहल्ला महतवाना में असीम मछलीशहरी के सम्मान में एक गुलपोशी का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता मुजतर मछलीशहरी व संचालन शम्सुल इस्लाम ने किया। इस मौके पर उपस्थित इश्तियाक अहमद खान, राशिद खान अध्यक्ष सदर मरकजी सीरत कमेटी, हाजी एजाज खान, औन मुहम्मद मुन्ना सभासद एवं अकील अन्सारी ने असीम मछलीशहरी की साहित्यिक उपलब्धियों पर अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही आजम मछलीशहरी, यूनुस मछलीशहरी, अकबर मछलीशहरी, मोहम्मद आबिद नेजामी व मुजीबुर्रहमान नेजामी ने नाते-पाक पेश किया। इसके उपरान्त असीम मछलीशहरी की गुलपोशी मछलीशहर कस्बा के लोगों ने किया।

श्रावण मास के दृष्टिगत एसपी ने किया श्री गौरी शंकर धाम का निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने श्रावण मास के दौरान आगामी सोमवार के दृष्टिगत थाना सुजानगंज अन्तर्गत स्थित श्री गौरी शंकर धाम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय पुजारी से वार्ता की और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी डॉ. कौस्तुभ ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए और सुरक्षा व्यवस्था को और भी मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रावण मास के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में दर्शन करने आते हैं, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।स्थानीय पुजारी से वार्ता के दौरान एसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और वे सुरक्षित रूप से अपने धार्मिक अनुष्ठानों का पालन कर सकें। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश सिंह के जन्मदिवस पर शुभकामनाओं की बौछार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सिविल कोर्ट परिसर में आज वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश सिंह के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर अधिवक्ताओं और न्यायिक समुदाय में हर्ष और उत्साह का वातावरण देखा गया। इस विशेष दिन पर बड़े भाई क्षितिज तिवारी, जो कि बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश से सदस्य प्रत्याशी भी हैं, ने जन्मदिवस की हार्दिक बधाई देते हुए उनके स्वस्थ और दीघार्यु जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि अवधेश सिंह जैसे वरिष्ठ अधिवक्ता न्यायिक क्षेत्र की प्रेरणा हैं, जिन्होंने सदैव अपने ज्ञान, अनुशासन और सरल स्वभाव से अधिवक्ताओं का मार्गदर्शन किया है।वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता बृजनाथ पाठक पूर्व अध्यक्ष उन्होंने भी अपने गुरु-शिष्य परंपरा की भावना से अवधेश सिंह को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं और उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया।अमित तिवारी एडवोकेट सिविल कोर्ट ने भी बधाई देते हुए कहा कि वरिष्ठ अधिवक्ता अवधेश सिंह जैसे व्यक्तित्व न्याय व्यवस्था की नींव को मजबूत करते हैं। उनके अनुभव से नई पीढ़ी को सदैव सीखने को मिलता है। ओपी पांडेय आशीष शुक्ला एडवोकेट अनिल मिश्रा एडवोकेट एवं पूरे अधिवक्ता समुदाय की ओर से भी इस दिन को सौहार्द और सम्मान के साथ मनाया गया, जिससे यह दिन एक प्रेरणादायी स्मृति बन गया।

रीता सिंह ने मराठी व हिन्दी को लेकर व्यक्त की प्रक्रिया

-नरेन्द्र सोनी

वसई रोड। भाजपा मुंबई प्रवक्ता रीता सिंह ने अपना मंतव्य जताते हुए कहा की हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक काशी के ब्राह्मणों ने किया था। उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक पूरे भारत ने शिवाजी महाराज को अपना उद्धारक माना था। वह केवल सत्ता ही नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति और देश का उत्थान चाहते थे। उनके बाद 'आध्यात्मिक रानी' लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी ने पूरे देश में सैकड़ों मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया, वह महाराज जी की विरासत को आगे बढ़ाकर उसे मजबूती प्रदान कर रही थी। उनके समय मराठी और गैर-मराठी का कोई भेद नहीं था। लेकिन आज ठाकरे बंधु भाषा को ढाल बनाकर अपनी 'संकीर्ण मानसिकता' का परिचय देकर उसी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। अपनी हरकतों से छत्रपति शिवाजी महाराज, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर जी और पेशवाओं की विरासत को चोट पहुंचा रहे हैं।

वसई-विरार शहर की जर्जर इमारतों के लिए अलग नीति तैयार करें: राजन नाईक

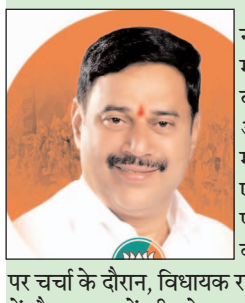

नालासोपारा। नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने विधानसभा में आवाज उठाया की म्हाडा के घरों में बेघर लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाय। विधायक राजन नाइक ने आज, विधानसभा में मांग की कि वसई-विरार महानगरपालिका क्षेत्र में जर्जर इमारतों के लिए एक अलग नीति तैयार करने हेतु सरकारी स्तर पर एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाए। क्लस्टर विकास से संबंधित दिलचस्प सुझाव पर चर्चा के दौरान, विधायक राजन नाइक ने वसई-विरार में खतरनाक स्थिति में मौजूद इमारतों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। नालासोपारा में हाल ही में ढही इमारत का हवाला देते हुए, उन्होंने म्हाडा के घरों में बेघर लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की मांग की। इसी प्रकार, वसई-विरार में कई अनधिकृत इमारतें हैं और चूँकि ये आरक्षित भूमि पर हैं, इसलिए पुनर्विकास के दौरान ये कई समस्याएँ पैदा करती हैं। इस कारण, इन इमारतों के लिए एक अलग नीति तय करने हेतु सरकारी स्तर पर एक संयुक्त बैठक आयोजित करने की मांग की गई।

आशीर्वाद ने बिहार और झारखंड में लॉन्च किए सोया चंक्स

पटना। आईटीसी का भरोसेमंद घरेलू ब्रांड आशीर्वाद अब बिहार और झारखंड में लेकर आया है आशीर्वाद सोया चंक्स, जो स्वाद, पोषण और बेहतरीन बनावट का अनोखा संगम है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में सफल लॉन्च के बाद यह उत्पाद अब इन राज्यों की रसोइयों में स्वाद और सेहत दोनों का जरिया बनेगा। आशीर्वाद सोया चंक्स की खास बनावट उन्हें पारंपरिक चंक्स से अलग बनाती है। इनमें मौजूद सूक्ष्म छिद्र मसालों को गहराई से सोख लेते हैं, जिससे हर डिश चाहे वो करी हो, बिरयानी या स्नैक जायकेदार और रसीली बनती है। प्रति 100 ग्राम में लगभग 53 ग्राम प्रोटीन होने के साथ ये चंक्स फैट-फ्री, कोलेस्ट्रॉल मुक्त और बिना किसी प्रिजर्वेटिव या स्टेबलाइजर के हैं। केवल एक सर्विंग से दैनिक प्रोटीन की जरूरत का करीब 24 प्रतिशत पूरा होता है। जूसी मजेदार, सोया शानदार टैगलाइन के साथ पेश किए गए ये चंक्स दो वेरिएंट्स मिनी और रेगुलर चंक्स में उपलब्ध हैं।

हर पौधा जीवन का बीज है, जिसे आज बोएंगे तो कल पीढ़ियां फलेंगी

वाराणसी। हरियाली का अर्थ केवल सुंदरता नहीं, जीवन है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को पुलिस लाइन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने स्वयं पौधरोपण कर किया और उपस्थित पुलिसकर्मियों, कर्मचारियों एवं कैडेट्स को पर्यावरण की रक्षा का संकल्प दिलाया। मौके पर संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, आज का मौसम और मौसमी बदलाव हमें याद दिलाते हैं कि हमारे जीवन का असली आधार पेड़-पौधे हैं। हमें अपने भविष्य की चिंता करनी है तो आज ही वृक्षारोपण को अपनी प्राथमिकता बनाना होगा। उन्होंने कहा, ऐसे अभियान न केवल सरकारी स्तर पर, बल्कि सामाजिक चेतना के स्तर पर भी क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं। यदि हर नागरिक एक वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाए और उसकी देखभाल करे, तो आने वाले 5 वर्षों में भारत फिर से हरित राष्ट्र बन सकता है। वृक्षारोपण सिर्फ कर्मकांड नहीं, प्रकृति के प्रति हमारी जवाबदेही का प्रतीक है। पुलिस आयुक्त ने वृक्षारोपण की वैज्ञानिक महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा आप सबने पढ़ा होगा कि बाढ़, कटाव और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं को रोकने में पेड़ कितनी बड़ी भूमिका निभाते हैं। पहाड़ों में ये जड़ें भूस्खलन रोकती हैं, तो मैदानी इलाकों में मिट्टी को बाँधती हैं और उपजाऊ बनाए रखती हैं। उन्होंने कहा कि वृक्ष सिर्फ छाया नहीं देते, बल्कि जीवन की सांस भी देते हैं। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों, युवाओं और अधिकारियों से आग्रह किया कि वे केवल पौधे लगाकर न रुकें, बल्कि उन्हें संरक्षित करने की जिम्मेदारी भी निभाएं।

मोहित अग्रवाल ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे मेगा वृक्षारोपण अभियान की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में 37 करोड़ वृक्ष लगाने का संकल्प लिया गया है। अगर हम इस लक्ष्य को ईमानदारी से प्राप्त करते हैं, तो तापमान में 2 से 3 डिग्री तक गिरावट संभव है। इससे न केवल जलवायु संकट में राहत मिलेगी बल्कि हवा की गुणवत्ता में भी जबरदस्त सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि वाराणसी जैसे धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन नगरी में वृक्षारोपण का और भी अधिक महत्व है। यहां हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में स्वच्छ हवा और संतुलित पर्यावरण हमारी जिम्मेदारी बन जाती है।

पुलिस आयुक्त ने वर्तमान में शहरी जीवन में बढ़ती बीमारियों का जिक्र करते हुए कहा, आज लोग सांस की बीमारियों, एलर्जी, त्वचा विकार और हृदय रोगों से पीड़ित हैं। इसका सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण है। उन्होंने दिल्ली और नोएडा जैसे शहरों की उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे वायु गुणवत्ता सूचकांक400 से ऊपर चला जाता है और स्कूल-कॉलेज तक बंद करने की नौबत आ जाती है।ह्वहमें समझना होगा कि यह चेतावनी है, प्रकृति से छेड़छाड़ अब जीवन पर भारी पड़ रही है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण बचाने का अभियान नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित भविष्य की नींव है। आज जो पौधा हम रोपते हैं, वह कल सैकड़ों लोगों को शुद्ध हवा, जल संरक्षण और जीवन देगा। उन्होंने कहा कि पुलिस जैसे अनुशासित बल को इस मुहिम में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए ताकि आमजन भी प्रेरित हों। कार्यक्रम के अंत में पुलिस आयुक्त ने सभी अधिकारियों और जवानों को संदेश देते हुए कहा कि हम जिस धरती पर रहते हैं, उसका ऋण वृक्षारोपण से ही चुका सकते हैं। यह कोई एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली साधना है। उन्होंने हर पौधे को अपनाने और उसके बड़े होने तक उसकी देखरेख करने की जिम्मेदारी लेने का आग्रह किया। हमें प्रकृति का रक्षक बनना है, उपभोक्ता नहीं। इस वृक्षारोपण अभियान में एसपी, एडीसीपी, थाना प्रभारियों समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, एनसीसी कैडेट्स और अधिकारी शामिल हुए। सभी ने अपने-अपने हाथों से पौधे रोपे और उनकी सुरक्षा की शपथ ली। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि पौधे लगाने से पहले सभी को वृक्षों के महत्व पर एक छोटा पर्यावरणीय ब्रीफिंग भी दिया गया।

सिवान में अपराधियों ने बड़ी लूट का दिया अंजाम ,दहशत का माहौल

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में स्थानीय अनुमंडल क्षेत्र के दारौंदा थाना क्षेत्र में बगौरा न्यू मार्केट में ज्वेलरी के दुकान में घुसकर अपराधियों ने हथियार के बल पर लूट पाट का अंजाम दिया है। लूट दिन दहारे हुई है।

लूट की घटना को लेकर व्यवसायियों में दहशत का माहौल कायम है। इस संबंध में बताया जा रहा है कि रोज की तरह स्वर्ण व्यवसायि अपना दुकान खोले हुए थे। हथियारबन्द 4 अपराधी बाइक पर सवार होकर आए और हथियार के बल पर जमकर लूट पाट की। दुकान के मालिक दिलीप कुमार ने बताएं कि रोज की तरह अपना दुकान खोले थे। पिस्तौल के बल पर कीमती ज्वेलरी को लूट कर चारों अपराधी आराम से फरार हो गए। फिलहाल पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर घटना की छानबीन कर रही है।

मुख्यमंत्री से मिले पूर्व विधायक केराकत दिनेश चौधरी व जिला मंत्री गौतम मिश्र गोलू

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री आवास,लखनऊ में परम पूज्य गोरक्ष पीठाधीश्वर,न्याय,सुरक्षा एवं सुशासन के प्रतीक,उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी नें मुलाकात कर उन्हें स्वक्षता के जनक,महान संत पूज्यनीय बाबा गाडगे की प्रतिमा उन्हें भेंट करते हुए उनका अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किये। पूर्व विधायक दिनेश चौधरी नें अवगत कराते हुए कहा कि सर्वप्रथम पूज्य महाराज का राष्ट्रीय राजमार्ग 233 से मेरे विधानसभा क्षेत्र केराकत अंतर्गत डोभी क्षेत्र के सैकड़ो प्रभावित किसानों के वर्षों से लंबित मुआवजे के समुचित निस्तारण हेतु उनका सभी किसान बंधुओं के तरफ से आभार प्रकट किया। साथ ही उनका केराकत नगर में अपनी बहुप्रतीक्षित मांग रोडवेज बस स्टैंड के निर्माण पर पुनः ध्यान आकृष्ट करते हुए अपने विधानसभा क्षेत्र केराकत के विभिन्न क्षेत्रों की कुल छोटी बड़ी 32 सड़कों के मरम्मत नव निर्माण संबंधी पत्रक को सौंपा। पूर्व विधायक केराकत दिनेश चौधरी नें कहा कि मुख्यमंत्री ने बड़े ही सहजतापूर्वक केराकत क्षेत्र का कुशलक्षेम जानते हुए मेरे द्वारा उठाई गई सभी मांगो पर शीघ्र कार्यवाही हेतु अधीनस्थ अधिकारियो को निर्देशित किया।उक्त अवसर पर उनके साथ भाजपा युवा मोर्चा, मछलीशहर के जिला मंत्री गौतम मिश्र गोलू भी उपस्थित रहे।

नौकरियों में 35 फीसदी आरक्षण ऐतिहासिक: डॉ आनंद

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज में शिक्षक नेता डॉ आनंद ने युवा आयोग के गठन के लिए बिहार कैबिनेट के फैसले का स्वागत किया है। यह फैसला राज्य के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराने और आत्मनिर्भर बनाने में लाभकारी साबित होगा। बिहार निवासी महिलाओं को राज्य सरकार की नौकरी में 35.फीसदी प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का भी स्वागत किया ।शिक्षक नेता डॉ आनंद ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि यह फैसला बिहार के हित में है। इस फैसले से नौजवानों को रोजगार में न सिर्फ. आसानी होगी बल्कि उनको प्रशिक्षित करने और आत्मनिर्भर बनाने में भी मदद मिलेगी ।बिहार के युवा आत्मनिर्भर और सक्षम बनेगे, तरक़्क़ी और उन्नति की ओर आगे बढ़ेंगे। इस दिशा में युवा आयोग का गठन महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक है। वहीं उन्होने बिहार की निवासी महिलाओं को राज्य सरकार की नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले का भी स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से बिहार कि महिलाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार हासिल होगा। महिलाएँ आत्मनिर्भर बनेंगी और उनको रोजगार के ज्यादा अवसर मिलेंगे। सरकारी नौकरियों में बिहार की महिलाओं की उपस्थिति ज्यादा होगी। शिक्षक नेता डॉ आनंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासन में महिला,युवा, गरीब और किसान की उन्नति ,प्रगति तथा खुशहाली प्राथमिकता में शामिल हैं, महिलाओं को सशक्तिकरण के लिए बिहार की एनडीए सरकार ने पहले भी कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। महिलाओं के लिए पंचायती राज व्यवस्था में 50./. का आरक्षण तो अतिपिछड़ों और वंचितों के लिए विशेष आरक्षण का प्रावधान किया गया है जिससे राज्य के करोड़ों लोगों को सीधा फायदा हो रहा है।

मीरा रोड में नीला सोन्स द्वारा श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन

भायंदर। गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरुओं के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह दिन महर्षि वेद व्यास के जन्मदिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिन्होंने वेदों का संकलन किया। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। मीरा भाईंदर की पूर्व नगरसेविका नीला सोन्स द्वारा 10 जुलाई को मीरा रोड के पूनम गार्डन परिसर में स्थित राज एंटीला बिल्डिंग के पास भगवान परशुराम वाहन स्थल पर शाम 6:30 बजे से श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। इस बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि देव स्वरूप गुरुजनों के सम्मान में विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस परिसर में स्थित 35 मंदिर के पुजारियों तथा अन्य धार्मिक स्थल से जुड़े गुरुओं का सम्मान किया जाएगा। महाप्रसाद के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे करेंगे।

रायन इंटरनेशनल एकेडमी बावधन में इंटर-स्कूल ओरेटरी कॉम्पीटीशन और रीडिंग कैंपेन का आयोजन

बावधन। रायन इंटरनेशनल एकेडमी (सीबीएसई), बावधन में आज वर्बैटल वॉइसेज एंड वर्सेज नाम से एक इंटरस्कूल ओरेटरी कॉम्पीटिशन/प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में शहर के विभिन्न स्कूलों से आए करीब 150 छात्रों ने भाग लिया। इसी अवसर पर स्कूल ने अपने खास15 बुक्स रीडिंग कैंपेन की भी शुरूआत की, जिसका मकसद बच्चों में रोजाना पढ़ने की आदत को बढ़ावा देना है।

इस प्रतियोगिता में कक्षा (मोंटेसरी) से लेकर कक्षा तक के छात्रों ने भाग लिया। सभी ने अलग-अलग भाषण विधाओं में अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में छह श्रेणियाँ रखी गई थीं टर्नकोट स्पीच, वाद-विवाद, एक्सटेम्पोर (तात्कालिक भाषण), मोनो एक्टिंग, स्टोरीटेलिंग और शो एंड टेल। विषय भी आज के दौर से जुड़े हुए थे । जैसे किताबें बनाम स्क्रीन और मोबाइल फोन वरदान या अभिशाप?, जिन पर छात्रों ने बेझिझक अपनी राय रखी। इस मौके ने छात्रों को आत्मविश्वास के साथ बोलने और मंच पर प्रदर्शन का बेहतरीन अनुभव दिया।

इसी दिन स्कूल ने अपने महत्वाकांक्षी 15 बुक्स रीडिंग कैंपेन का भी शुभारंभ किया, जिसका उद्देश्य बच्चों को नियमित रूप से किताबें पढ़ने की प्रेरणा देना है। इस अभियान की शुरूआत को खास बनाने के लिए तीन प्रसिद्ध लेखकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया और बच्चों व अभिभावकों से मुलाकात भी की। इनमें शामिल थे ।

स्कूल ने इस मौके पर अपने दो युवा छात्र लेखकों की उपलब्धियों को भी सबके सामने रखा। कक्षा श की आक्षना तापोरे और कक्षा क के निधिश शर्मा ने बेहद कम उम्र में अपनी किताबें प्रकाशित की हैं। दोनों ने अपने लेखन सफर के बारे में बात की—कैसे उन्होंने लिखना शुरू किया, विषयों का चुनाव कैसे किया और अपने विचारों को कहानी का रूप कैसे दिया। इन दोनों छात्रों ने अपने अनुभव साझा करते हुए अन्य बच्चों को भी लेखन में हाथ आजमाने की प्रेरणा दी।

नानावटी मैक्स हॉस्पिटल में 74 वर्षीय बुजुर्ग के दिल से नींबू के आकार का ट्यूमर निकाला गया

मुंबई। नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने मुंबई के एक 74 वर्षीय बुजुर्ग को नई जिंदगी दी है। बुजुर्ग के दिल में नींबू के आकार (5-5 सेमी) का ट्यूमर था। इससे आर्टरी में गंभीर ब्लॉकेज हो गई थी। सामान्य ईसीजी जांच में इस परेशानी का पता चला था। एडवांस्ड मिनिमली इन्वेसिव कार्डियक सर्जरी (एमआईसीएस) का प्रयोग करते हुए सर्जिकल टीम ने सफलतापूर्वक ट्यूमर को हटाया है और दायीं तरफ की ब्लॉक्ड आर्टरी को बायपास करते हुए ब्लड फ्लो सामान्य किया है। 74 वर्षीय बुजुर्ग लेफ्ट एट्रियल मायक्सोमा से पीड़ित थे। यह एक दुर्लभ नॉन-कैंसरस ट्यूमर है, जो दिल के लेफ्ट अपर चैंबर में था। नियमित इकोकार्डियोग्राम के दौरान इस बात का पता चला था। उनका इलाज कर रहे नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सिद्धार्थ सेठ ने कहा कि ट्यूमर ने लेफ्ट एट्रियम का करीब 90 प्रति हिस्सा कवर कर लिया था। आगे की जांच में पता चला कि राइट कोरोनरी आर्टरी में 85 से 90 प्रतिशत तक की ब्लॉकेज हो गई थी। यह दिल को रक्त पहुंचाने वाली प्रमुख वेसेल है। लंबे समय तक अनियंत्रित डायबिटीज की हिस्ट्री के कारण पारंपरिक ओपन हार्ट सर्जरी से मरीज को बहुत ज्यादा खतरा हो सकता था। इस बात ने स्थिति को और जटिल बना दिया था।

नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. सेठ ने कहा, ह्यलेफ्ट एट्रियल मायक्सोमा दुर्लभ बीमारी है, क्योंकि प्राइमरी हार्ट ट्यूमर बहुत कम लोगों में ही देखने को मिलता है। दिल के मस्कुलर स्ट्रक्चर और लो-सेल एक्टिविटी के कारण यहां ट्यूमर बनने की आशंका बहुत कम होती है। मरीज की उम्र और अनियंत्रित डायबिटीज जैसी अन्य बीमारियों को देखते हुए पारंपरिक तरीके के बजाय मिनिमली इन्वेसिव कार्डियक सर्जरी (एमआईसीएस) का फैसला लिया गया। पारंपरिक सर्जरी में 15 से 20 सेमी का चीरा लगाना पड़ता और स्टर्नोटॉमी करनी पड़ती।

जलवायु परिवर्तन से बढ़ रही चुनौतियों से सभी लोगों को मिलकर लड़ना होगा: एके शर्मा

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। ब्लॉक मुख्यालय पर बृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का बुधवार को आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के तहत कुल 5000 पौधे रोपे गए। विभिन्न सरकारी योजनाओं के पांच लाभार्थियों को चेक सौंपे गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिले के प्रभारी, ऊर्जा व नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से आम जनमानस से लेकर प्रकृति में चुनौतियां और असंतुलन की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसके लिए सभी लोगों को अपनी मां के नाम एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से बढ़ रही चुनौतियों से सभी लोगों को मिलकर लड़ना होगा। उन्होंने बताया कि समय से वर्षा न होना, तापमान में उतार-चढ़ाव, प्रकृति में असंतुलन के संकेत हैं। यदि इसके लिए सभी लोग तैयार नहीं हुए तो भावी पीढ़ियों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्रम में पीपल, नीम सहजन जैसे औषधि के पौधे लगाने पर जोर दिया गया। पौधारोपण से पर्यावरण और अध्यात्म दोनों को समन्वित किया जा सकता है। उन्होंने क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को बेहतर करने की घोषणा की। कहा कि सुइथाकला में 132 केवीए का नया विद्युत उपकेंद्र स्थापित किया जाएगा साथ में ट्रांसफार्मर क्षमता में भी वृद्धि की जाएगी। महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपा शंकर सिंह ने कहा कि मोदी और योगी के कार्यकाल में देश का बहुमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने बताया कि मोदी और योगीराज में देश और प्रदेश की छवि विश्व स्तर पर स्थापित हुई है।

शाहगंज के विधायक रमेश सिंह व भाजपाइयों ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। विधायक ने कहा कि मोदी- योगी की सरकार में शाहगंज विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो रहा है। उन्होंने ऊर्जा मंत्री से सुइथाकला क्षेत्र में 132 केवीए के विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने के लिए मांग की जिसकी घोषणा प्रभारी मंत्री ने मंच से की। उन्होंने कहा कि सृष्टि का अस्तित्व तभी कायम रह सकता है जब अधिक से अधिक पौधारोपण किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वृक्ष ही प्रकृति और जीवन के बीच संतुलन बनाए रखते हैं। आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन डीएम डॉ. दिनेश चंद्र, अध्यक्षता भाजपा के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह व संचालन डीएम डॉ. दिनेश चंद्र व सलमान शेख ने किया। मौके पर एसपी डॉक्टर कौस्तुभ, सीडीओ ध्रुव खाड़िया, सीएमओ डा. लक्ष्मी सिंह, एसडीएम कुणाल गौरव, तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डॉ. उमेश चंद्र तिवारी, पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश वर्मा आदि मौजूद रहे।

हर रात घर से गायब रहती थी पत्नी, बिस्तर में तलाशता रहता था पति

वाराणसी। इन दिनों पति-पत्नी और वो के कई मामले सामने आ रहे हैं। जहां पत्नियों और उनके प्रेमियों के खौफ से पति खुद ही अपनी बीवियों की शादी उनके आशिक से करा दे रहे हैं। वहीं अब उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले के कैंट इलाके से एक पति की दर्द भरी कहानी सामने आई है। शख्स का दर्द एक ही वाक्य में छलक आया, ह्यजहां मन वहां रहो, बस मुझे बख्श दो। यह बात उसने तब कही जब उसकी पत्नी ने न केवल उसके साथ रहने से मना कर दिया, बल्कि पहचानने से भी मुकर गई। मामला बेहद अजीबोगरीब है। पति का कहना है कि उसकी पत्नी दिनभर घर में ही रहती है, लेकिन रात होते ही किसी और किराए के मकान में चली जाती है। जहां उसके साथ एक पुरुष मित्र भी रहता है। पत्नी न तलाक दे रही है, न साथ रहना चाहती है। हैरान करने वाली बात ये है कि जब पति ने पुलिस से शिकायत की और पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची तो वहां मौजूद पत्नी ने पुलिस के सामने ही पति को पहचानने से इनकार कर दिया। जिससे मामला और भी उलझ गया। साथ ही पत्नी का यह रवैया देख पुलिस भी हैरान रह गई। पति का कहना है कि वह कई महीनों से मानसिक प्रताड़ना झेल रहा है। उसने पुलिस के सामने रोते हुए कहा, ह्यमैंने हर कोशिश की कि यह रिश्ता बच सके, लेकिन अब मेरे पास कुछ भी नहीं बचा, न आत्मसम्मान, न चैन. अब बस एक ही गुजारिश है – मुझे बख्श दो। स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोनों पक्षों से बातचीत कर रही है।

पिता और बहन की ईंट-लोहे की रॉड से सिर कूंच कर की हत्या

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में संपत्ति विवाद के बाद एक व्यक्ति ने अपने बुजुर्ग पिता और बहन की रॉड व ईंटों से प्रहार कर कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (वरुण क्षेत्र) नीतू कत्याल ने बताया कि दोहरे हत्याकांड की यह घटना मंगलवार को कैंट थाना क्षेत्र के प्रताप नगर कॉलोनी की है। अधिकारी ने बताया कि पारिवारिक संपत्ति को लेकर हुए एक तीखे विवाद के दौरान आरोपी राजेश कुमार ने अपने 78 वर्षीय पिता रूप चंद्र भारद्वाज और 50 वर्षीय बहन शिवकुमारी पर कथित तौर पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि रॉड और ईंटों से बार-बार वार किए जाने के बाद दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पड़ोसियों से सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राजेश व उसकी पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि रूप चंद्र भारद्वाज एक सरकारी विभाग से सेवानिवृत्त थे। उन्होंने प्रताप नगर कॉलोनी में जमीन खरीदकर एक घर बनवाया था और संपत्ति को अपनी बेटी शिवकुमारी के नाम कर दिया था।